www.tamsasanket.com

वर्ष: 06 || अंक 89 || लखनऊ

सोमवार

29 जून 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹2

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

»» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदय: 05:15
सूर्यास्त: 07:04
अधिकतम: 38°00
न्यूनतम: 29°00

पेज 07 »

विशेष समाचार कंक्रीट के जंगलों में प्रकृति की ... »पेज 04 | बहन को भगाकर शादी करने ... »पेज 06 | 'मुझे लगा कि शायद मैं मर जाऊंगा'...

यूपी होमगार्ड परीक्षा का रिजल्ट जारी

1.07 लाख अभ्यर्थी फिजिकल टेस्ट देंगे, जिलेवार बनी कटऑफ लिस्ट

■ यूपी होमगार्ड भर्ती परीक्षा 25, 26 और 27 अप्रैल 2026 को हुई थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। यूपी होमगार्ड भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा का रिजल्ट रविवार दोपहर जारी कर दिया गया। कुल 41 हजार 424 पदों के लिए 1 लाख 7 हजार 221 कैंडिडेट पास हुए हैं। इस तरह एक पद के लिए करीब 2.6 गुना कैंडिडेट को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और फिजिकल टेस्ट के लिए बुलाया गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने हर जिले की अलग-अलग कटऑफ मेरिट जारी की है। आंसर की (ANSWER) भी जारी हुई है। बोर्ड के अनुसार, अभ्यर्थियों ने 2 सवालों पर आपत्ति दर्ज कराई थी। जिसका निस्तारण अधिकारियों द्वारा किया गया है।

अभ्यर्थियों को बोर्ड की वेबसाइट पर अपना रोल नंबर, जन्म तिथि और प्रश्न पुस्तिका क्रमांक की सहायता से लॉगिन करना होगा। अभ्यर्थी 4 जुलाई तक अपना रिजल्ट देख पाएंगे। होमगार्ड भर्ती के लिए 25, 26 और 27 अप्रैल 2026 को लिखित परीक्षा कराई गई थी। 19 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। परीक्षा 6 पालियों में हुई थी। तो उस स्थिति में भर्ती बोर्ड का निर्णय ही अंतिम और मान्य होगा।

इसके बाद से होमगार्ड विभाग में एक भी बड़ी भर्ती नहीं हुई। भाजपा सरकार में 2018 में भर्ती प्रक्रिया शुरू जरूर हुई, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते इसे निरस्त कर दिया गया था।

41,424 पदों के लिए रिजल्ट जारी

ऐसे चेक करें रिजल्ट

- सबसे पहले ऑफिशियल वेबसाइट uppbpb.gov.in पर जाएं।
- होमपेज पर UPPBPB UP Police Home Guard Result 2026 पर क्लिक करें।
- एक नया पेज खुलेगा, जहां रजिस्ट्रेशन नंबर, रोल नंबर और जन्मतिथि भरनी होगी।
- सारी जानकारी सही भरने के बाद सबमिट बटन पर क्लिक करें, आपका रिजल्ट स्क्रीन पर आ जाएगा।
- रिजल्ट का PDF डाउनलोड कर लें और आगे की जरूरत के लिए इसका प्रिंटआउट निकालकर रख लें।

सिलेक्शन प्रोसेस :

- लिखित परीक्षा
- शारीरिक मानक परीक्षा (PST)
- शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET)
- डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
- फाइनल मेरिट लिस्ट

शारीरिक मानक परीक्षा में क्या होगा?

परीक्षा में पास हुए कैंडिडेट्स को शारीरिक मानक परीक्षा (PST) और शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) से गुजरना होगा। पुरुष कैंडिडेट के लिए सामान्य, एससी और ओबीसी वर्ग में न्यूनतम लंबाई 168 सेंटीमीटर और एसटी वर्ग में 160 सेंटीमीटर निर्धारित की गई है। वहीं महिला कैंडिडेट के लिए सामान्य, एससी और ओबीसी वर्ग में न्यूनतम लंबाई 152 सेंटीमीटर और एसटी वर्ग में 147 सेंटीमीटर तय की गई है। सभी श्रेणी की महिला कैंडिडेट का न्यूनतम वजन 40 किलोग्राम होना अनिवार्य होगा।

शारीरिक दक्षता परीक्षा में क्या होगा?

शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) में पुरुष कैंडिडेट को 28 मिनट में 4.8 किलोमीटर और महिला अभ्यर्थियों को 16 मिनट में 2.4 किलोमीटर की दौड़ पूरी करनी होगी। भर्ती के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम 30 वर्ष निर्धारित है, जबकि ओबीसी, एससी और एसटी वर्ग के कैंडिडेट को अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट मिलेगी।

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए ये चीजें जरूरी

पास कैंडिडेट को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (DV) के लिए तैयार रहना होगा। DV के दौरान कैंडिडेट को शैक्षणिक प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र (यदि लागू हो), निवास प्रमाणपत्र, जन्म प्रमाणपत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, रोजगार पंजीकरण प्रमाणपत्र, मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी सहित सभी जरूरी डॉक्यूमेंट पेश करने होंगे। इन सब प्रक्रिया से गुजरने के बाद फाइनल मेरिट लिस्ट जारी होगी।

चयनित अभ्यर्थियों को 20,200 रुपए प्रतिमाह वेतन के साथ महंगाई भत्ता (DA), मकान किराया भत्ता (HRA), यात्रा भत्ता (TA), मेडिकल सुविधा, पेंशन और बीमा जैसी अन्य सरकारी सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। इस मामले में तत्कालीन जिला कमांडेंट को सस्पेंड भी कर दिया गया था।

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और फिजिकल टेस्ट की डेट जल्द जारी होगी

भर्ती बोर्ड के अपर सचिव एवं परीक्षा नियंत्रक सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज ने बताया कि डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (DV) और फिजिकल टेस्ट (PST) की तारीखें जल्द ही बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएंगी। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की है कि भर्ती से जुड़ी सभी जानकारी, अपडेट और दिशा-निर्देश के लिए केवल बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर ही भरोसा करें। यदि किसी प्रकार की तकनीकी त्रुटि होती है।

महिलाओं को 20 फीसदी आरक्षण

भर्ती में सरकारी नियमों के अनुसार आरक्षण दिया जाएगा। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रितों को 2 फीसदी, भूतपूर्व सैनिक को 5 फीसदी और महिलाओं को 20 फीसदी आरक्षण मिलेगा। उत्तर प्रदेश में आखिरी बार होमगार्ड की भर्ती साल 2011 में मायावती के शासनकाल में हुई थी। यह भर्ती जिला स्तर पर हुई थी।

इसके बाद से होमगार्ड विभाग में एक भी बड़ी भर्ती नहीं हुई। भाजपा सरकार में 2018 में भर्ती प्रक्रिया शुरू जरूर हुई, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते इसे निरस्त कर दिया गया था। यह भर्ती प्रयागराज में की गई थी।

राममंदिर चढ़ावा चोरी : 8 आरोपियों के घर पुलिस की एकसाथ छापेमारीमिली

टिन्नू के घर अलमारी-बक्से खंगाले, अनुकल्प के यहां डायरी

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जेल में बंद 8 आरोपियों के घरों पर रविवार सुबह 7 बजे पुलिस की 8 टीमों ने एक साथ छापेमारी की। इस दौरान 3 आरोपियों के घर पर ताला लगा था।

»(शेष पेज 06

अयोध्या के वकील आरोपियों का केस नहीं लड़ेंगे

राम मंदिर चंदा गबन मामले में आरोपियों को अयोध्या में अपनी पैरवी के लिए वकील मिलने की संभावना कम नजर आ रही है। स्थानीय अधिवक्ताओं ने आरोपियों का केस लड़ने से इनकार कर दिया है।

आरोपियों के घर पुलिस की छापेमारी में क्या हुआ?

- ***रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू:*** *राम मंदिर से 2 किमी दूर स्वर्गद्वार मोहल्ले में टिन्नू के दो मंजिला मकान पर ताला लगा मिला। कुछ देर बाद टिन्नू की मां मौके पर पहुंचीं और ताला खोला। पुलिस ने घर में रखे कागजातों, बक्सों और अलमारी की तलाशी ली। परिजन से पूछताछ की।*
- ***मनीष यादव:*** *टिन्नू के घर के बगल में आरोपी भतीजे मनीष यादव के घर पर भी छापेमारी हुई। वहां भी ताला लगा मिला। दो मंजिला मकान में रह रहे किराएदारों से पुलिस ने मनीष के बारे में सवाल किए।*
- ***लवकुश मिश्रा:*** *रुदौली स्थित घर स्थानीय पुलिस पहुंची तो लवकुश के दादा 72 साल के जगदंबा मिश्रा बाहर बैठे दिखे। उनसे पूछताछ हुई।*
- ***सुभाष चंद्र श्रीवास्तव:*** *अंजनीपुरम स्थित घर में छापेमारी हुई। घर पर ताला मिला। पुलिस ने पड़ोसियों से बातचीत की। सुभाष की संपत्ति और लाइफस्टाइल के बारे में जानकारी जुटाई।*
- ***अनुकल्प मिश्रा:*** *कौशलपुरी स्थित घर पर पुलिस पहुंची तो मां ने दरवाजा खोला। 3 पुलिसवाले घर के अंदर गए। संपत्तियों के दस्तावेज और बैंक अकाउंट डिटेल खंगाली। परिवारवालों से पूछताछ की। पड़ोसियों से भी सवाल-जवाब किए।*
- ***अविनाश शुक्ला:*** *कौशलपुरी में घर पर पुलिस को कोई नहीं मिला। पास में किराना स्टोर चलाने वाले राहुल कुमार से पुलिस ने पूछताछ की। उन्होंने बताया- अविनाश किराए पर रहते हैं। योग सेंटर से जुड़े हुए थे। घर कहीं गांव में है।*
- ***रमाशंकर मिश्रा:*** *नया घाट में आरोपी के पिता ने छन्नू लाल मिश्र ने बताया- पुलिस आई थी। बक्सा और अलमारी देखी। जांच के बाद चले गए। घर में कुछ नहीं मिला। कुछ कागजों पर साइन करवाए। रमाशंकर करीब 6 साल से मंदिर के लिए काम कर रहा था।*

चढ़ावा चोरी के 8 आरोपी

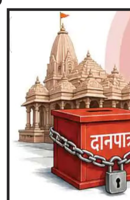

1. रामशंकर यादव (टिन्नू)
जिम्मेदारी: दानपात्रों की देखरेख
आरोप: करोड़ों रुपए गबन किए, अयोध्या के आसपास संपत्तियां खरीदीं।

2. अनुकल्प मिश्रा
जिम्मेदारी: रुपयों की गिनती में शामिल
आरोप: चढ़ावे की चोरी करके रुपए बाथरूम में छिपाता था।

3. लवकुश मिश्रा
जिम्मेदारी: चढ़ावे-नकदी की काउंटिंग स्टाफ का सदस्य।
आरोप: चढ़ावा चोरी करके करोड़ों की संपत्तियां बनाईं, घर से 12 लाख बरामद।

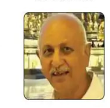

4. सुभाष चंद्र श्रीवास्तव
जिम्मेदारी: कैश काउंटिंग स्टाफ के प्रभारी। स्टाफ को संभालना।
आरोप: निगरानी में लापरवाही बरती। दान की चोरी में शामिल।

5. करुणेश पांडेय
जिम्मेदारी: दान के रुपए को कक्ष तक लेकर आना और उसकी गणना करना।
आरोप: दान के पैसों से अयोध्या के आसपास संपत्तियां खरीदीं।

6. मनीष यादव
जिम्मेदारी: दानपात्रों में आने वाले चढ़ावे की गिनती करना।
आरोप: मंदिर के चढ़ावे की चोरी। घर से 36 लाख बरामद।

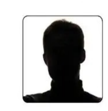

7. अविनाश शुक्ला
जिम्मेदारी: दान के रुपए को कक्ष तक लेकर आना और उसकी गणना करना।
आरोप: दान में आए रुपए चोरी करता था। अयोध्या के आसपास संपत्तियां खरीदीं।

8. रमाशंकर मिश्रा
जिम्मेदारी: दानपात्रों को गणना कक्ष तक ले जाना, उनकी निगरानी करना।
आरोप: आरोपियों के साथ मिलकर दान में आए रुपयों में हेराफेरी करता था।

फास्ट न्यूज

ट्विशा केस की आरोपी रिटायर्ड जज गिरिबाला के घर चोरी

भोपाल। एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा मौत मामले में आरोपी रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के घर में चोर घुस गए। उन्होंने सोने के जेवरात समेत गिरिबाला और उनके बेटे समर्थ सिंह से जुड़े कुछ दस्तावेजों की एक फाइल चुराने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस आने के चलते चोरों को सामान छोड़कर भागना पड़ा।

सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल शुरू की

नई दिल्ली। लद्दाख के सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने रविवार को जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। NEET पेपर लीक और CBSE की गड़बड़ियों के विरोध में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन का आज 9वां दिन है। CJP पिछले 20 जून से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही है। भूख हड़ताल शुरू होते ही जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी और स्टूडेंट जुटने लगे। प्रदर्शन में कई किसान नेता भी शामिल हुए। भूख हड़ताल शुरू करने से पहले सोनम वांगचुक और पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

मोहाली के गुरुद्वारे में निहंग पर हमला

मोहाली। उत्तराखंड के कर्णप्रयाग मामले में रिहा होकर पंजाब लौटे निहंगों के स्वागत समारोह के दौरान रविवार को मोहाली के गुरुद्वारे में हंगामा हो गया। समारोह के बीच एक व्यक्ति ने निहंग बाबा जसदीप सिंह पर हमला करने की कोशिश की। इससे गुरुद्वारा परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया।

केतन मर्डर केस : सिया को लेकर लोहागढ़ किला पहुंची पुलिस

सामने हुआ सीन रीक्रिएशन, दीवार से डमी गिराकर देखा

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

पुणे। पुणे मर्डर केस में पुलिस ने रविवार को केतन को लोहगढ़ किले से गिरने का सीन रीक्रिएट किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके लिए पुलिस सुबह 6.30 बजे दोनों आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को लोहगढ़ किले लेकर पहुंची। टीम करीब 2.30 घंटे किले पर रही। आज सुबह हम सिया गोयल को घटनास्थल पर लेकर आए। उसके बताए अनुसार पूरे घटनाक्रम का सीन रीक्रिएशन किया। इसके लिए केतन के समान वजन का एक डमी तैयार किया गया, ताकि घटना को उसी तरह दोहराकर जांच की जा सके। इस बीच केस में पुलिस ने

नया खुलासा किया कि सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने गूगल पर लोहगढ़ किले के डेथ पॉइंट सर्च किए थे। वहां तक पहुंचने का रास्ता और खाइयों की भी जानकारी जुटाई थी। पुलिस ने कहा- दोनों ने गूगल पर 'डेथ पॉइंट और जहर देकर कैसे मारें, ताकि पुलिस को शक न हो' जैसे सवाल सर्च किए। पकड़े जाने पर पुलिस के सवालों के क्या जवाब देने हैं, यह भी खोजा। कौन-कौन से वॉट्सएप मैसेज डिलीट करना है।

घटिया सड़क बनाई तो इंजीनियर-ठेकेदार जाएंगे जेल

आगरा में सीएम योगी बोले- अक्टूबर में मेट्रो-एयरपोर्ट का काम पूरा करें

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को आगरा में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने अफसरों को साफ कहा- विकास कामों में लापरवाही और अवैध गतिविधियां किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होंगी।

घटिया निर्माण मिलने पर इंजीनियर और ठेकेदार के खिलाफ FIR दर्ज कर जेल भेजने के निर्देश दिए। बैठक में PWD की परियोजनाओं पर सबसे ज्यादा फोकस रहा। सीएम ने आगरा मेट्रो और एयरपोर्ट का काम हर हाल में अक्टूबर तक पूरा करने को कहा।

साथ ही अवैध खनन, ओवरलोड डंपर और खराब सड़कों पर भी

■ समीक्षा बैठक में कुछ इस अंदाज में दिखे सीएम योगी।

सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में आगरा में नवीन सड़क निर्माण, सुदृढ़ीकरण, चौड़ीकरण, सेतु, हेलीपेड, रोड सेफ्टी, भवन निर्माण आदि के कुल 495 कार्यों, 1138.195 किमी सड़क लंबाई, 279198.27 लाख की कार्य योजना

■ PWD विभाग के प्रमुख सचिव अजय चौहान विभागीय कार्यों की जानकारी देते हुए।

■ बैठक में आगरा के साथ ही मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रस्तावित की गई है।

» (शेष पेज 06 पर)

सीएम के निर्देश

- घटिया निर्माण पर इंजीनियर-ठेकेदार जाएंगे जेल, होगी एफआईआर
- आगरा को मिलेगा मेट्रो सिटी जैसा विकास, गुणवत्ता से समझौता बिल्कुल नहीं
- रोड कटिंग के बाद सड़क खराब मिली तो होगी सख्त कार्रवाई
- सड़क, सीवर और जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं
- एयरपोर्ट विस्तार, सेतु और सड़क परियोजनाओं में अब नहीं आएगी रुकावट, सुप्रीम कोर्ट में होगी प्रभावी पैरवी
- एनजीटी और सुप्रीम कोर्ट की बाधाएं होंगी दूर, विकास कार्यों के लिए बनेगा वरिष्ठ वकीलों का पैनल
- ओवरलोड डंपरों से ही वसूली जाएगी सड़क की क्षतिपूर्ति
- ग्रामीण सड़कों को नुकसान पहुंचाने वाले डंपरों पर लगेगी लगाम
- मेट्रो, एयरपोर्ट और सीएम ग्रिड परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश
- दयालबाग-खंदौली यमुना पुल समेत कई नई परियोजनाओं को मिली प्राथमिकता
- ई-विश्वकर्मा पोर्टल पर अपलोड हुई पीडब्ल्यूडी कार्ययोजना, जल्द जारी होगी धनराशि

कार्यवाई : एलओसी से घुसपैठ कर अंदर आ गया था, जून में ऐसी तीसरी घटना

जम्मू और कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तानी नागरिक अरेस्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (LoC) पर भारतीय सेना ने रविवार को पाकिस्तान के एक घुसपैठिए को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, इस महीने जिले में पकड़ा गया यह तीसरा पाकिस्तानी घुसपैठिया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 31 साल के रईस खान के रूप में हुई है।

जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) का निवासी है। अधिकारियों ने बताया कि वह

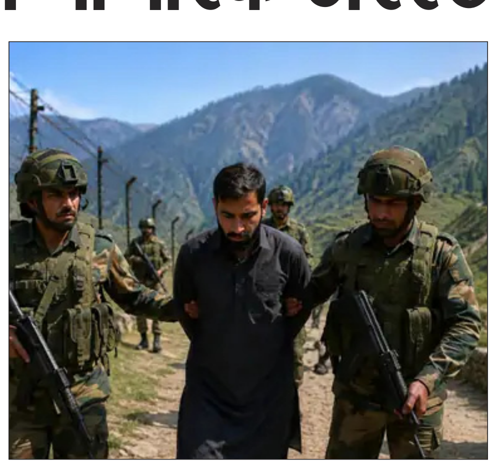

बालाकोट सेक्टर से LoC पार कर भारतीय सीमा में दाखिल हुआ था, जिसके तुरंत बाद सेना ने उसे हिरासत में ले लिया।

शुरुआती जांच में उसके पास से कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने सीमा क्यों पार की, भारत में उसका कोई संपर्क था या उसका कोई विशेष उद्देश्य था।

सांबा में संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन भी दिखा

इस बीच, जम्मू के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर रविवार तड़के एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय सीमा में कुछ देर तक मंडराता दिखाई दिया। अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन नुंदपुर गांव के पास देखा गया। इसके बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), सेना और पुलिस ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। आशंका थी कि ड्रोन के जरिए हथियार या ड्रग्स गिराए गए हों, लेकिन तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध सामग्री बरामद नहीं हुई।

पीएम मोदी को सेशल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

बोले- सेशेल्स से हमारा 256 साल पुराना रिश्ता, 5 भारतीयों से हुई इसकी शुरुआत

सम्मानित

तमसा संकेत, एजेंसी

विक्टोरिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को सेशेल्स के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन' से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मोदी को अब तक 34 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिल चुका है। सम्मान मिलने पर PM मोदी ने सेशेल्स की जनता, सरकार और राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी का आभार जताया। PM मोदी ने सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित किया। ऐसा करने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा

कि सेशेल्स से भारत का रिश्ता सिर्फ 50 साल पुराना नहीं है, बल्कि इसकी शुरुआत अगस्त 1770 में हुई थी। जब 'थेलेमाक' जहाज से यहां 5 भारतीय पहुंचे थे। मोदी ने कहा कि जब लोग दुनिया का नक्शा देखते हैं, तो उन्हें सेशेल्स हिंद महासागर में बसे कुछ छोटे-छोटे द्वीपों का एक समूह दिखाई देता है। लेकिन हमारे लिए सेशेल्स सिर्फ द्वीपों का समूह नहीं, बल्कि इससे कहीं बढ़कर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पर्यावरण की रक्षा, जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने और लंबे समय तक पर्यावरण को सुरक्षित रखने की दिशा में किए गए काम के लिए मिला है। पर्यावरण के क्षेत्र में मोदी को अब तक 3 बड़े अवार्ड मिल चुके हैं। इससे पहले मई 2026 में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) ने उन्हें एग्रीकोला मेडल से सम्मानित किया था।

400 मीटर दायरे में धुएं से खांसते रहे लोग, 50 घर खाली कराए, 8 घंटे में हल्की पड़ी

कोल्ड स्टोरेज में भीषण आग

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के एक कोल्ड स्टोरेज में रविवार सुबह करीब 6:30 बजे भीषण आग लग गई। घटनास्थल से 4 किलोमीटर दूर से भी धुएं का गुबार दिखता रहा। फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियां और 2 हाइड्रोलिक मशीन आग बुझाने में लगी रहीं। इस दौरान करीब 400 मीटर के दायरे में रहने वाले लोग धुएं से खांसते रहे।

आग करीब 8 घंटे बाद दोपहर ढाई बजे हल्की पड़ी। धुआं 3:30 बजे तक उठता रहा। पुलिस ने एहतियातन पास की कॉलोनी दयाल रेजीडेंसी के करीब 50 घरों को खाली करा लिया था। लोगों ने घरों से सिलेंडर बाहर रख दिए थे।

कुछ दूर के लोगों ने आग का वीडियो बनाया। इस दौरान स्टोरेज के अंदर से किसी चीज के बार-बार फूटने की आवाज सुनाई दे रही थी।

दमकल की 15 गाड़ियां करीब कुल 70 चक्कर लगाकर इंदिरा नहर से पानी रीफिल कर आग बुझाती रहीं। राहत की बात यह रही कि किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई। मिर्च-मसाले के धुएं से फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों को आग बुझाने में काफी परेशानी हो रही थी। वे पहले अंदर जाने वाले थे, लेकिन जब सब मिर्च के झार से खांसने लगे तो बाहर आ गए। टिन शेड के ऊपर और हाईड्रोलिक मशीन से रेस्क्यू जारी रखा।

कोल्ड स्टोरेज चिनहट थाना क्षेत्र में लखनऊ-अयोध्या हाईवे के किनारे बना हुआ है। करीब 35 साल पुराने हिमालयन कोल्ड स्टोरेज में फिलहाल हल्दी, मिर्च सहित किराने का सामान रखा जाता है। कुछ हिस्से में लकड़ी और बुरादा भी रखा था। इसी वजह से आग करीब 5 घंटे बाद 11:30 बजे दोबारा तेजी से भड़क गई थी।

करीब 8 घंटे बाद आग बुझ पाई

कोल्ड स्टोरेज में आग लगने से आसपास की कॉलोनियों में कालिख बिखरी दिखी। आग करीब 8 घंटे बाद दोपहर ढाई बुझ पाई। हालांकि, अब भी हल्का धुआं निकल रहा है। शुरू से ही फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियों सहित 2 हाइड्रोलिक मशीनें आग बुझान में लगी हुई थीं। पास में इंदिरा नहर से करीब 60 चक्कर गाड़ियों में पानी रीफिल किया गया।

घुटन होने लगी, सबने कहा- किसने सुबह-सुबह मिर्च सुलगा दी

दयाल रेजिडेंसी कॉलोनी के निवासी विवेक श्रीवास्तव ने बताया- झार से घुटन होने लगी थी। सबने यही कहा कि किसने सुबह-सुबह मिर्च सुलगा दी। बाद में पता चला कि आग लगी हुई है। जैसे ही जानकारी हुई, हम लोगों ने खुद लोगों को घर से बाहर बुलाना शुरू कर दिया। घरों से भरे सिलेंडर भी निकलवाकर बाहर सुरक्षित रखवा दिए।

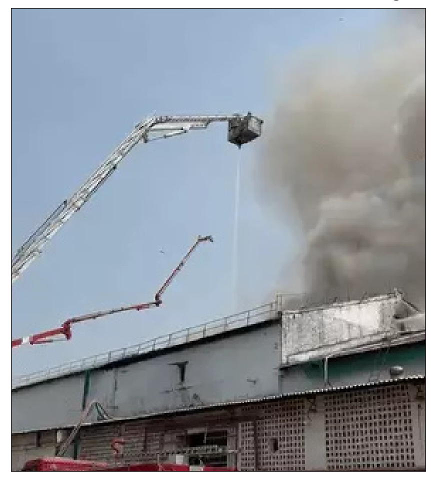

मौके पर फायरकर्मियों सहित हाईड्रोलिक मशीन और प्लेटफॉर्म से भी आग बुझाई जा रही थी।

सांस लेने में दिक्कत हो रही थी, खांसी आ रही थी

दयाल रेजिडेंसी में रहने वाली कैलाशी अलका रानी ने कहा- सुबह जब मैं ऊपर वॉशरूम गई तो धुआं जैसा छाया था। सांस लेने में दिक्कत होने लगी। खांसी आ रही थी। मुझे लगा मिर्ज जैसा कुछ जल रहा है। इसी कोल्ड स्टोरेज से धुआं उठता दिखा। मैंने तुरंत नीचे आकर पुलिस को सूचना दी। उसके बाद फायर ब्रिगेड को बुलाया गया।

तेलीबाग में गैस लीकेज से किचन में आग

बेटियों के लिए मैगी बना रही थी महिला

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। तेलीबाग के कुम्हारमंडी में रविवार शाम गैस लीकेज के कारण एक घर की रसोई में आग लग गई। इस घटना में आग बुझाने का प्रयास कर रही एक महिला झुलस गई, जिसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना मदन यादव के घर में शाम करीब 5 बजे हुई। उस समय उनकी पत्नी राधा रसोई में मैगी बना रही थी। इसी दौरान गैस लीकेज से अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि तख्त, कपड़े और बर्तन उसकी चपेट में आ गए।

घर में मदन यादव की पत्नी राधा यादव और उनकी दो बेटियां मौजूद थीं। आग बुझाने के प्रयास में राधा यादव के हाथ, पैर और चेहरा झुलस गया। परिजनों ने तुरंत राधा यादव को इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112, पीजीआई थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पुलिस के मुताबिक, मौके से एक ही गैस सिलेंडर मिला, जिस पर रेगुलेटर लगा था। प्रारंभिक जांच में गैस लीकेज को आग का कारण बताया गया है। इस घटना में कोई अन्य हताहत नहीं हुआ है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में 10 हजार अवैध कॉमर्शियल बिल्डिंग

लखनऊ । लखनऊ में 10 हजार से ज्यादा अवैध निर्माण दर्ज हैं। यह दावा खुद एलडीए ने 2 साल पहले हाईकोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में किया था। इसके बावजूद वर्षों तक कार्रवाई कागजों तक सीमित रही और अब अलीगंज अग्निकांड में 15 मौतों के बाद जिम्मेदार जागे हैं।

एलडीए ने अपने हलफनामे में स्वीकार किया था कि राजधानी में 10,380 अवैध निर्माण दर्ज हैं।

दुबग्गा-पारा क्षेत्र 36 घंटे बिजली संकट से जूझा

दुबग्गा । लखनऊ के दुबग्गा और पारा क्षेत्र में लगभग 36 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से हजारों उपभोक्ताओं को भीषण गर्मी और उमस के बीच भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। एफसीआई से पॉजिट क्षेत्र के साथ-साथ बादशाह खेड़ा, बुद्धेश्वर, बादल खेड़ा, जनता विहार, मायापुरम, कुंदन बिहार, नाजिम नगर, हर्ष नगर और भपटामऊ सहित आसपास की कई कॉलोनियों में घंटों बिजली गुल रही और लगातार ट्रिपिंग की समस्या से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

काकोरी में युवती से दुष्कर्म का प्रयास

दुबग्गा । लखनऊ के काकोरी कोतवाली क्षेत्र में एक 18 वर्षीय युवती से दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, यह घटना 24 जून 2026 की रात की है। काकोरी निवासी महिला ने आरोप लगाया है कि जब उसकी 18 वर्षीय बेटी घर में सो रही थी, तभी पड़ोस में रहने वाला विजय कुमार गौतम कथित रूप से घर में घुस आया।

ओमप्रकाश राजभर ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के माननीय पंचायतीराज, अल्पसंख्यक कल्याण एवं मुस्लिम वक्फ मंत्री श्री ओमप्रकाश राजभर की अध्यक्षता में आज मुख्य भवन (सचिवालय) के कक्ष संख्या-62A में पंचायतीराज विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश की ग्राम पंचायतों में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, आधारभूत सुविधाओं एवं केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रदेश की 57,694 ग्राम पंचायतों में स्थापित हैंडपंपों की वर्तमान स्थिति, खराब एवं बालूयुक्त हैंडपंपों की संख्या, अमृत सरोवरों के निर्माण एवं उनमें जलभराव की स्थिति, छोटे-बड़े तालाबों के जीर्णोद्धार, ग्रामीण क्षेत्रों के भूजल स्तर, जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित ओवरहेड पेयजल टंकियों, पाइपलाइन विस्तार, सड़कों की मरम्मत, सामुदायिक एवं व्यक्तिगत शौचालयों की उपलब्धता तथा भारत सरकार के सहयोग से संचालित विभिन्न योजनाओं के उपयोगिता प्रमाणपत्रों की विस्तृत समीक्षा की गई। माननीय मंत्री श्री राजभर ने निर्देश दिए कि बरसात के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए सभी खराब हैंडपंपों की प्राथमिकता के आधार पर तत्काल मरम्मत सुनिश्चित की जाए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता प्रभावित न हो। उन्होंने अमृत सरोवरों के निर्माण, उनमें जलभराव तथा पंचायतों को हस्तांतरण (हैंडओवर) की अद्यतन जनपदवार सूची तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

एएसएपी की संगठनात्मक बैठक सम्पन्न

नई कार्यकारिणी बनाकर प्रदेशव्यापी छात्र आंदोलन का यूपी प्रभारी छात्रविंग वंशराज दुबे ने किया ऐलान

- पेपर लीक ने मेहनती युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेल दिया है: वंशराज दुबे
- समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिलने से गरीब छात्र पढ़ाई छोड़ने को मजबूर: वंशराज दुबे
- मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाकर शिक्षा सभी की पहुंच में लाई जाए: वंशराज दुबे

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी की छात्र इकाई आम आदमी छात्र विंग उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक रविवार को लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व छात्र विंग के उत्तर प्रदेश प्रभारी वंशराज दुबे ने की, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सक्रिय साथियों ने भाग लिया। बैठक में छात्रों, युवाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े गंभीर मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रदेश में छात्रों की आवाज़ को मजबूती से उठाने के लिए जल्द ही ASAP की नई जुझारू और सक्रिय प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा, जो युवाओं के अधिकारों की लड़ाई को गांव से लेकर राजधानी तक मजबूती से आगे बढ़ाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए छात्रविंग प्रदेश प्रभारी वंशराज दुबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश का छात्र और युवा वर्ग आज अभूतपूर्व संकट का सामना कर रहा है।

छात्रवृत्ति में देरी से गरीब छात्रों की पढ़ाई हो रही प्रभावित

उन्होंने कहा कि गरीब, पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हजारों छात्र समय पर छात्रवृत्ति न मिलने के कारण अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पा रहे हैं। आर्थिक तंगी के कारण अनेक विद्यार्थियों को बीच में ही पढ़ाई छोड़नी पड़ रही है, जो प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है।

पेपर लीक ने युवाओं के भविष्य के साथ किया खिलवाड़

वंशराज दुबे ने कहा कि प्रदेश में लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं ने पूरी परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता खत्म कर दी है। वर्षों तक कठिन परिश्रम करने वाले लाखों युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह विफल साबित हुई है।

सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर पूरी तरह संवेदनहीन हो चुकी है। लाखों छात्र अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के समाधान की बजाय लगातार उन्हें नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि अब आम आदमी छात्र विंग प्रदेशभर में छात्रों के मुद्दों पर संगठित और निर्णायक संघर्ष का नेतृत्व करेगी। वंशराज दुबे ने कहा कि निजी और सरकारी शिक्षण संस्थानों में लगातार बढ़ाई जा रही फीस ने उच्च शिक्षा को आम परिवारों की पहुंच से दूर कर दिया है।

टब में डूबने से 2 साल की बच्ची की मौत

लखनऊ में ननिहाल आई थी, खेलते समय औंधे मुंह पानी में गिरी

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

बख्शी का तालाब । लखनऊ में नानी के घर आई 2 साल की बच्ची मौत हो गई। वह शुक्रवार रात पानी से भरे टब में गिर गई थी। औंधे मुंह गिरने से उठ नहीं पाई। उस समय वहां पर कोई था भी नहीं। बाद में जब लोगों ने ढूंढ़ना शुरू किया तो टब में उतराती दिखी। यह देखते ही घर में कोहराम मच गया। आसपास के लोग भी इकट्ठा हो गए।

मामला इटौंजा में महोना नगर पंचायत के वार्ड संख्या-8 का है। यहां के सफीक खान की नातिन शिवरा अपने ननिहाल में थी। शिवरा के पिता शानू खुर्रमनगर के रहने वाले हैं। शुक्रवार को घर के अन्य बच्चे आंगन में खेल रहे थे, तभी शिवरा उनके साथ खेलते-खेलते घर के अंदर चली गई। वहां टब में गिरकर डूब गई।

अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल पहुंचने से पहले ही बच्ची की मौत हो चुकी थी। इस घटना से नाना सफीक खान और नानी सदमे में हैं। सूचना मिलने पर पिता शानू भी महोना पहुंचे।

> इटौंजा इंस्पेक्टर सोबरन सिंह ने बताया कि घटना की कोई सूचना थाने को नहीं दी गई है। जानकारी मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

परिजनों के अनुसार, घर में एक टब में पानी भरा हुआ रखा था। बच्ची जब दूसरे बच्चों का साथ छोड़कर आई होगी, तो उसमें सिर के बल गिर गई होगी। टब में पानी ऊपर तक भरा हुआ था, यही वजह रही कि वह बाहर नहीं निकल सकी। काफी देर तक बच्ची शिवरा के दिखाई न देने पर उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान बच्ची पानी भरे टब में औंधे मुंह पड़ी मिली। परिजन उसे तुरंत बख्शी का तालाब स्थित रामसागर मिश्र 100 शैय्या अस्पताल ले गए।

मोदी जी के नेतृत्व में देश में महापुरुषों और महान विभूतियों को मिल रहा है उचित सम्मान

उप मुख्यमंत्री ने किया लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी स्मृति द्वार का शिलान्यास

- लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी ने भारतीय संस्कृति, धर्मस्थलों के संरक्षण और जनकल्याण के लिए किया अतुलनीय कार्य : उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में महापुरुषों और महान विभूतियों को मिल रहा है उचित सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज जनपद गाजियाबाद में 'लोकमाता' अहिल्याबाई होल्कर जी की 301वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने लोनी बॉर्डर, बस डिपो के निकट विधायक निधि योजना के अंतर्गत निर्मित होने वाले 'लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी स्मृति द्वार' का शिलान्यास किया तथा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण भी किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी ने अपने आदर्श शासन, न्यायप्रिय व्यवस्था, लोककल्याणकारी कार्यों और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के माध्यम से इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने अनेक धर्मस्थलों के संरक्षण एवं पुनर्निर्माण का कार्य किया तथा जनसेवा को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाया।

उन्होंने कहा कि लंबे समय तक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी के महान योगदान को अपेक्षित सम्मान नहीं मिला, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद महान विभूतियों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया गया। उनकी 300वीं जयंती का आयोजन पूरे देश और प्रदेश में श्रद्धा एवं गौरव के साथ किया गया।

मौर्य ने कहा कि आज पूरा देश और प्रदेश लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी को नमन कर रहा है।

संबोधन : लखनऊ में पंकज चौधरी बोले- इस बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी

‘2027 में 2017 से भी बड़ा बहुमत मिलेगा’

पीएम मोदी ने मन की बात का राजनीतिक उपयोग नहीं किया

उन्होंने कहा कि पार्टी श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के कार्यक्रम मना रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जा रही है। प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र पर बिना किसी भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाएं पहुंचाने का काम किया है। वहीं, 'मन की बात' कार्यक्रम को उन्होंने लोगों को प्रेरित करने का माध्यम बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने इसका कभी राजनीतिक उपयोग नहीं किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के राजाजीपुरम-सी ब्लॉक के सेंट जोसेफ स्कूल में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी पहुंचे। कार्यक्रम में उन्होंने पदाधिकारियों को संबोधित किया। इसके बाद पौधरोपण भी किया। इस दौरान प्रदेश महामंत्री संजय राय महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी भी मौजूद रहे।

इस दौरान पंकज चौधरी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार ने गरीबों और महिलाओं के कल्याण के लिए ऐतिहासिक काम किए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का चेहरा और पहचान बदल गई है। आज प्रदेश एक्सप्रेस-वे का नेटवर्क विकसित करने के साथ निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 2017 से भी बड़े बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। सेंट जोसेफ स्कूल के संस्थापक अनिल अग्रवाल ने बताया कि आज मन की बात में जो सबसे अच्छी बात सुनने को मिली है। वह मेघायल में रबर ट्री ब्रिज बने होने की बात है। जिसमें समय के साथ स्ट्रेंथ बढ़ने की बात है। आज इसमें प्रदेश के अध्यक्ष पंकज चौधरी, महामंत्री संजय राय, आनंद द्विवेदी और स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि राजीव त्रिपाठी मौजूद रहे।

स्कूल पहुंचने पर लोगों ने पंकज चौधरी को पटका पहनाकर स्वागत किया।

> राजाजीपुरम क्षेत्र से पूर्व पार्षद और पार्षद प्रतिनिध राजीव त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोगों को मोटिवेट करने का काम करते हैं। देश में होने वाले हर छोटे बड़े प्रयास को सराहने के साथ मुद्दा उठाने का काम प्रधानमंत्री करते हैं। पिछले मन की बात में बस्ती के बच्चों द्वारा नदी में किए गए प्रयास को उठाया था। योग दिवस के मौके पर संगठन मंत्री धर्मपाल यहां आए हुए थे।

पुलिस अफसरों को रिश्वतखोर कहने वाले सिपाही की नौकरी गई

लखनऊ में तैनात थे सुनील शुक्ला, कहा- सच बोलने का इनाम मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। पुलिस अधिकारियों को 'काले अंग्रेज' बताने वाले सिपाही सुनील कुमार शुक्ला को रविवार को बर्खास्त कर दिया गया। सुनील ने वीडियो जारी कर पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि पुलिस विभाग को 'काले अंग्रेज' चला रहे हैं और पुलिस लाइन में ड्यूटी लगाने के नाम पर वसूली की जाती है।

सिपाही के आरोपों के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। मामले की जांच के लिए पुलिस कमिश्नर ने 7 मई 2026 को एक समिति गठित की थी। जांच समिति के अनुसार, सुनील अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर सके। उधर, कार्रवाई के बाद बर्खास्त सिपाही ने कहा, ₹आज मुझे सच बोलने का इनाम मिला है। जांच कमेटी के अनुसार, सिपाही सुनील ने वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ सार्वजनिक रूप से निराधार आरोप लगाए, जिससे विभाग की छवि प्रभावित हुई। साथ ही, अधिकारियों के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर पुलिस बल में अनुशासनहीनता को बढ़ावा दिया। जांच अधिकारियों के सामने वे कोई साक्ष्य भी नहीं पेश कर सके।

विभागीय जांच में यह भी सामने आया कि उन्होंने बिना विभागीय अनुमति सोशल मीडिया का उपयोग किया, जो उत्तर प्रदेश सोशल मीडिया नीति-2023, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक आचरण नियमावली-1956 के नियम 3, 6, 7 और 27 तथा उत्तर प्रदेश वर्दी विनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। पुलिस कमिश्नरेट ने बताया कि गंभीर दुराचार सिद्ध होने पर सुनील कुमार शुक्ला को सेवा से बर्खास्त किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया कि अनुशासन, सेवा नियमों और सोशल मीडिया नीति के उल्लंघन के मामलों में आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। लखनऊ में तैनात कांस्टेबल सुनील कुमार शुक्ला ने विभाग के अधिकारियों, खासकर आईपीएस अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के गंभीर आरोप लगाए थे।

मॉर्निंग वॉक से लौटते समय हुआ हादसा, ट्रक चालक गिरफ्तार, ग्रामीणों में आक्रोश

तेज रफ्तार ट्रक ने महिला को कुचला

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी जिले में रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया, जिसमें तेज रफ्तार ट्रक ने एक बुजुर्ग महिला को रौंद दिया। हादसा इतना भयावह था कि ट्रक का अगला पहिया महिला की गर्दन से गुजर गया, जिससे उनका सिर धड़ से अलग हो गया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर रामनगर-बदोसराय मार्ग पर सुबह लगभग 5:30 बजे हुआ। लोधपुरवा गांव निवासी 62 वर्षीय फूलमती वर्मा रोज की तरह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकली थीं। जानकारी के अनुसार, वह घर से करीब 200 मीटर दूर ही थीं, जब पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी और कुचलते हुए निकल गया। हादसे के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद गांव और आसपास के क्षेत्र में गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण नहीं होने से आए दिन ऐसे हादसे हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा, चालक हिरासत में

सूचना पर रामनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल अरुण प्रताप सिंह के अनुसार, घटना के बाद फरार हुए ट्रक और चालक को करीब 11 किलोमीटर दूर पकड़ लिया गया।

ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

मौके पर ही दर्दनाक मौत, शरीर बुरी तरह क्षतिग्रस्त

हादसे में महिला का शरीर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक के अगले पहिये के गर्दन से गुजरने के कारण उनका सिर धड़ से अलग हो गया। घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

ग्रामीणों में आक्रोश, सड़क सुरक्षा पर उठे सवाल

इस दर्दनाक हादसे के बाद गांव और आसपास के क्षेत्र में गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण नहीं होने से आए दिन ऐसे हादसे हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

परिवार में शोक, दो बेटे सरकारी नौकरी में

मृतका फूलमती वर्मा के पति पारस नाथ वर्मा आयुर्वेदिक विभाग में फार्मासिस्ट पद से करीब 8 साल पहले रिटायर हुए थे। परिवार में दो बेटे हैं, जो दोनों सरकारी नौकरी में कार्यरत हैं।

- **बड़ा बेटा जितेंद्र वर्मा सरकारी शिक्षक हैं और रामनगर ब्लॉक के बिछलखा विद्यालय में तैनात हैं**
- **छोटा बेटा पुष्पेंद्र वर्मा ग्रामीण अभियंत्रण विभाग (आरईएस) में जूनियर इंजीनियर हैं और सीतापुर में कार्यरत हैं**

एएनएम के पति का पेड़ से लटका मिला

ससुराल से डेढ़ किलोमीटर दूर वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के कछौना कोतवाली क्षेत्र में एक अधेड़ व्यक्ति का शव शनिवार रात करीब 9 बजे नीम के पेड़ से लटका मिला। यह घटना मृतक की ससुराल से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर हुई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में मामला पारिवारिक कलह से जुड़ा बताया जा रहा है। रविवार की दोपहर शव का पोस्टमार्टम हुआ। मृतक की पहचान बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के नौमलिकपुर गांव निवासी 50 वर्षीय संजय सिंह के रूप में हुई है, जो पेशे से किसान थे। उनकी पत्नी गीता सिंह संडीला अस्पताल में एएनएम हैं। गीता पिछले कई वर्षों से अपने बच्चों के साथ कछौना क्षेत्र के नारायण देव गांव स्थित अपने मायके में रह रही थीं। संजय सिंह भी अक्सर अपने गांव के साथ-साथ अपनी ससुराल आते-जाते रहते थे। परिजनों के अनुसार, संजय 20 जून को अपनी ससुराल आए थे और तब से वहीं रह रहे थे। शनिवार शाम को संजय अचानक घर से निकले थे और देर रात तक वापस नहीं लौटे।

फास्ट न्यूज

हरदोई में पल्स पोलियो अभियान शुरू

हरदोई। हरदोई में रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला महिला चिकित्सालय में आयोजित एक कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्र 'मधुर' ने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर इस अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दो बाइकों की भिड़ंत, एक युवक की मौत

सीतापुर। सीतापुर के सिधौली कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे-30 पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे बाइक सवार की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा दोनों घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। थाना क्षेत्र के ग्राम ददौरा निवासी 35 वर्षीय आशीष कुमार पुत्र ओम प्रकाश उन्नाव जनपद के बांगरमऊ क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य में लगे हुए थे। रविवार सुबह वह काम से वापस अपने घर लौट रहे थे।

उपभोक्ताओं ने सिटी पावर हाउस पर दिया धरना

सीतापुर। सीतापुर में शहर की बदहाल विद्युत व्यवस्था और लगातार हो रही ट्रिपिंग से परेशान उपभोक्ताओं का गुस्सा रविवार सुबह करीब 11 बजे सिटी पावर हाउस पर फूट पड़ा। बार-बार बिजली आने-जाने और जर्जर तारों के जलने से घंटों तक आपूर्ति बाधित रहने से नाराज बड़ी संख्या में लोग पावर हाउस पहुंच गए और विद्युत विभाग के खिलाफ कड़ी धूप में धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने बिजली व्यवस्था में तत्काल सुधार और निर्बाध आपूर्ति की मांग की।

'राम मंदिर चंदा चोरी करने वालों को मिलेगी सजा'

नीट अभ्यर्थियों की मौत पर सरकार को घेरा

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में रविवार दोपहर करीब 2 बजे कांग्रेस के कार्यक्रम में पहुंचीं कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव डॉ. सुधा प्रसाद ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस सांसद राकेश राठौर द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान डॉ. सुधा प्रसाद ने महिला आरक्षण बिल को शीघ्र लागू करने की मांग करते हुए कहा कि महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी में वास्तविक अधिकार देने के लिए सरकार को अब और देरी नहीं करनी चाहिए। मीडिया से बातचीत डॉ. सुधा प्रसाद ने कहा कि देश में निष्पक्ष चुनाव और नकलविहीन परीक्षाएं कराने में भाजपा सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं, लेकिन सरकार इन मुद्दों पर गंभीर नहीं है।

नीट अभ्यर्थियों की मौत का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि 14 नीट अभ्यर्थियों की मौत बेहद दुखद और चिंताजनक है, लेकिन इस मामले में प्रधानमंत्री की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों पर सरकार को संवेदनशीलता के साथ जवाब देना चाहिए और शिक्षामंत्री को इस्तीफा दें देना चाहिए।

ग्राम समाज की जमीन पर दो पक्षों में मारपीट

हरदोई में महिला से मारपीट का वीडियो, पुलिस ने दोनों पर की कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के संडीला कोतवाली क्षेत्र के अटवा भदसेन गांव से दो पक्षों में मारपीट का मामला सामने आया है। जिसका वीडियो सामने आया है। वीडियो में ग्राम समाज की जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच गाली-गलौज और लाठी-डंडों से मारपीट होती दिख रही है। यह घटना 25 जून की बताई जा रही है।

घटना के संबंध में गांव निवासी कान्ती पत्नी रामऔतार पासी ने आरोप लगाया कि 25 जून की सुबह करीब 8:30 बजे जब वह अपने घर के बाहर कूड़ा डाल रही थीं, तभी गांव के राजू सिंह से उनका विवाद हो गया। कान्ती के अनुसार, राजू सिंह ने नत्थू सिंह, मनेश्वर सिंह, संजय सिंह, मोहित सिंह, रोहित सिंह, जोगेश सिंह, सोनम सिंह, आरती और मोनिका सहित अन्य लोगों को बुलाकर उनके साथ मारपीट की। कान्ती ने बताया कि मारपीट में उन्हें चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल जाना पड़ा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस को सूचना देने के बावजूद उनकी एफआईआर तुरंत दर्ज नहीं की गई और उनके पक्ष पर भी कार्रवाई की गई।

संडीला कोतवाली प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र पंकज ने इस मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि विवाद ग्राम समाज की जमीन को लेकर हुआ था। दोनों पक्षों के बीच इस मुद्दे पर पहले से ही विवाद चल रहा था, जिसके कारण पूर्व में भी शांति भंग की आशंका में दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इसके बावजूद, 25 जून को दोनों पक्ष फिर भिड़ गए और मारपीट की घटना हुई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। प्रभारी निरीक्षक पंकज ने बताया कि वीडियो और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पुलिस ने 28 जून को दोनों पक्षों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्रभारी निरीक्षक पंकज ने बताया कि वीडियो और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पुलिस ने 28 जून को दोनों पक्षों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी पक्ष के साथ पक्षपात नहीं किया जाएगा। फिलहाल, क्षेत्र में स्थिति सामान्य है और पुलिस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

एसएसपी की अपराध समीक्षा बैठक

माफिया पर गैंगस्टर-एनएसए, हिस्ट्रीशीटरों पर सख्ती के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में पुलिस लाइन सभागार में रविवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जय प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक, थाना प्रभारी और विभिन्न शाखाओं के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था और लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए कई अहम निर्देश दिए गए। एसएसपी ने विभिन्न थानों में दर्ज गंभीर अपराधों से जुड़े लंबित मुकदमों की समीक्षा की। उन्होंने गुण-दोष के आधार पर इन मामलों का शीघ्र निस्तारण करने, वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और महिला संबंधी अपराधों में संवेदन-शीलता व तत्परता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में शातिर और अभ्यस्त अपराधियों को चिन्हित कर उनकी हिस्ट्रीशीट खोलने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही गुंडा एक्ट के तहत जिलाबदर की कार्रवाई तथा माफिया के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। जमीनी विवादों में राजस्व विभाग के साथ समन्वय बनाकर समयबद्ध कार्रवाई करने को भी कहा गया।

आईजीआरएस और पीआरवी की भी होगी निगरानी

एसएसपी ने जनशिकायतों का निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने, आईजीआरएस शिकायतों में पारदर्शिता बनाए रखने और आवेदकों से स्वयं फीडबैक लेने के निर्देश दिए। साथ ही पीआरवी वाहनों की रैंडम चेकिंग कर उनकी कार्यप्रणाली और सतर्कता का निरीक्षण करने को भी कहा। बैठक में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा अपराध नियंत्रण के लिए विभिन्न रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान तेज होगा

एसएसपी ने अवैध शराब, अवैध हथियार, जुआ, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही पॉक्सो एक्ट, दुष्कर्म और अन्य गंभीर मामलों में प्रभावी पैरवी कर आरोपियों को अधिकतम सजा दिलाने पर जोर दिया। उन्होंने संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में नियमित गश्त बढ़ाने तथा चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्नाव पुलिस ने 78 गुम मोबाइल बरामद किए

15 लाख से अधिक कीमत के फोन मालिकों को सौंपे गए

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में 78 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को वापस सौंप दिए हैं। इन बरामद किए गए मोबाइलों की कुल कीमत 15 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने रविवार दोपहर पुलिस लाइन सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में मोबाइल धारकों को उनके फोन लौटाए। जनपद पुलिस की सर्विलांस टीम और विभिन्न थानों की संयुक्त कार्रवाई से यह सफलता मिली। पुलिस विभाग के अनुसार, नागरिकों द्वारा मोबाइल फोन गुम होने की शिकायतें भारत सरकार के सीईआईआर (Central Equipment Identity Register) पोर्टल पर दर्ज कराई गई थीं। इन शिकायतों के आधार पर, सर्विलांस टीम ने तकनीकी सहायता का उपयोग किया और विभिन्न थानों की मदद से मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेस की। एक लगातार अभियान चलाकर, टीम ने अलग-अलग स्थानों से कुल 78 मोबाइल फोन बरामद किए। अपने खोए हुए मोबाइल फोन वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। कई लोगों ने अपने फोन दोबारा मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन पुलिस की इस कार्रवाई से उन्हें बड़ी राहत मिली। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने पुलिस टीम की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने बताया कि सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज कराना काफी प्रभावी साबित हो रहा है। उन्होंने जनता से अपील की कि मोबाइल फोन खोने या चोरी होने की स्थिति में तुरंत संबंधित थाने और सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

अस्त-व्यस्त : भीषण गर्मी में 50 हजार की आबादी बेहाल, पीने के पानी का भी संकट

मसौली में 14 घंटे से बिजली गुल

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी जिले के मसौली विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित होने से हालात गंभीर हो गए हैं। पिछले करीब 14 घंटे से बिजली गुल रहने के कारण लगभग 50 हजार की आबादी प्रभावित है। भीषण गर्मी और उमस के बीच लोगों का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बिजली न आने से घरों में लगे पंखे, कूलर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह ठप पड़े हैं। सबसे ज्यादा परेशानी छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को हो रही है, जिन्हें उमस भरी गर्मी में राहत नहीं मिल पा रही है। इसके साथ ही पानी की मोटरें बंद होने से कई इलाकों में पेयजल संकट भी गहरा गया है। लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरसते नजर आ रहे हैं।

प्रदर्शन की चेतावनी, जल्द आपूर्ति बहाल करने की मांग

नाराज ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो वे बिजली विभाग के खिलाफ सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। फिलहाल बिजली आपूर्ति बाधित होने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। बिजली विभाग की ओर से भी इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, जिससे स्थिति और अधिक अनिश्चित बनी हुई है।

अधिकारियों पर लापरवाही के आरोप, फोन भी नहीं उठाए जा रहे

स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग के अधिकारियों को बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। कई अधिकारियों के फोन तक नहीं उठाए जा रहे हैं, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है, बल्कि मसौली क्षेत्र में आए दिन बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभाग की ओर से बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। लगातार हो रही समस्याओं के बावजूद स्थायी समाधान न मिलने से लोगों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है।

उन्नाव में युवती ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

उन्नाव। उन्नाव के बिहार थाना क्षेत्र के आकमपुर गांव में रविवार को नेहा पाल (25) पुत्री कृष्ण कुमार पाल की संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ निगलने से मौत हो गई। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, नेहा ने रविवार सुबह करीब 6 बजे किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्य उसे तत्काल अस्पताल ले गए, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मृतका के भाई अजय ने बताया कि नेहा ने एमए तक की पढ़ाई की थी। उनकी माता कल्पना का पहले ही निधन हो चुका है। अजय के अनुसार, नेहा ने किस कारण से जहरीला पदार्थ निगला, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। परिवार भी इस घटना के पीछे के कारणों से अनभिज्ञ है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

गेहूं में रखने वाली दवा खाने से बिगड़ी हालत, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के बिहार थाना क्षेत्र स्थित आकमपुर गांव में एक युवती की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बताया जा रहा युवती ने गेहूं में रखने वाली दवा का सेवन कर लिया था। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवती की पहचान नेहा पाल (25) पुत्री कृष्ण कुमार पाल के रूप में हुई है। वह आकमपुर गांव की निवासी थी। नेहा की मां कल्पना का पहले ही निधन हो चुका है। वह अपने पिता और भाई अजय के साथ रहती थी। नेहा ने एमए तक की पढ़ाई की थी। यह घटना रविवार सुबह करीब छह बजे हुई। नेहा ने गेहूं में डालने वाली दवा खा ली थी। दवा खाने के तुरंत बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। इसके बाद परिवार के सदस्य उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में दोपहर के समय डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के भाई अजय ने बताया- नेहा ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिवार के किसी भी सदस्य को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। सूचना मिलने पर बिहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

सम्पादकीय

अमेरिका-ईरान में भिड़ंत

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता होने के दस दिन के अंदर ही दोनों के बीच फिर से सैन्य झड़पें शुरू हो जाना पश्चिम एशिया और साथ ही विश्व के लिए एक बुरी खबर है। अमेरिका और ईरान के बीच नए सिरे से टकराव इसलिए शुरू हुआ, क्योंकि पिछले दिनों ओमान के तट पर सिंगापुर के ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज को निशाना बनाया गया।

हालांकि इस जहाज पर हमले में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इस हमले के पीछे ईरान का हाथ माना गया। इस हमले का नतीजा यह हुआ कि होर्मुज समुद्री मार्ग से जहाजों की निकासी का काम फिर से रोक देना पड़ा। एक अनुमान के अनुसार होर्मुज में अभी पांच सौ से अधिक जहाज फंसे हुए हैं।

ईरान की ओर से सिंगापुर के झंडे वाले जहाज को निशाना बनाए जाने का एक परिणाम यह भी हुआ कि तेल के मूल्यों में मामूली ही सही, वृद्धि भी देखी गई। ईरान ने उक्त जहाज पर हमला इसलिए किया, क्योंकि उसके अनुसार उसने उसकी कथित चेतावनी की अनदेखी की।

हालांकि अमेरिका और ईरान के बीच यह समझौता हुआ है कि 60 दिनों तक होर्मुज से जहाजों को बिना किसी शुल्क के निकलने दिया जाएगा, लेकिन इसके बाद भी ईरान इस पर अड़ा है कि इस जल मार्ग से जो भी जहाज निकलें, वे उसकी अनुमति लेकर ही निकलें।

वास्तव में ईरान इस कोशिश में है कि होर्मुज पर उसका आधिपत्य स्वीकार किया जाए। यह उसकी मनमानी के अलावा और कुछ नहीं।

होर्मुज सरीखे दुनिया के सभी समुद्री व्यापारिक मार्ग स्वतंत्र नौवहन के लिए खुले हैं। एक अंतरराष्ट्रीय संधि के अनुसार किसी देश को अपने तटवर्ती समुद्री मार्ग से किसी तरह की वसूली करने या टैक्स लेने का अधिकार नहीं है। ईरान होर्मुज के मामले में यह अधिकार जबरन हासिल करना चाहता है।

उसे यह अधिकार नहीं दिया जा सकता, क्योंकि होर्मुज पर उसका दावा उसकी दादागीरी के अलावा और कुछ नहीं। यह एक ऐसा मामला है, जिसमें ईरान के रुख का समर्थन नहीं किया जा सकता। यह ठीक है कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान को अनावश्यक रूप से निशाना बनाया और पश्चिम एशिया की शांति को खतरे में डालने के साथ ही विश्व अर्थव्यवस्था के लिए संकट पैदा किया, लेकिन होर्मुज को अपने नियंत्रण में लेने की ईरान की कोशिश उसे खलनायक ही सिद्ध करने वाली है।

संभवतः होर्मुज पर ईरान के अनैतिक तरीके से आधिपत्य जमाने की कोशिश का जवाब देने के लिए ही अमेरिकी सेना ने उसके ठिकानों पर बमबारी की, लेकिन ईरान ने भी खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने में देरी नहीं की। अमेरिका और ईरान के बीच इस ताजा सैन्य झड़प से इसे लेकर संदेह पैदा हो गया है कि दोनों के बीच जिस शांति समझौते पर सहमति बनी, वह कितना टिकाऊ साबित होगा?

मानवता के मसीहा आचार्य श्री तुलसी

गुरुदेव तुलसी का जीवन हमको यह बात बताता है कि कलियुग में भी सतयुगी पुरुष आते हैं और अपनी ही लीक बनाते हैं। उनमें जनमानस के उत्थान की तड़प होती है । उनकी विसंगतियों से, समस्याओं से झड़प होती है और समाधान की राह निकलती है। उनको अपने मान,अपमान की परवाह नहीं होती। उनमें अपने गुणगान की , सम्मान आदि की भूख नहीं होती। वे मसीहा बनकर आते हैं, कितनों का उद्धार कर जाते हैं, कितनों का सुधार कर जाते हैं, मानवता का भंडार भर जाते हैं, और अंत में अमर हो जाते हैं। आचार्य श्री तुलसी बीसवीं सदी के उन विशिष्ट संतों में अग्रगण्य थे जिनकी दृष्टि केवल धर्म तक सीमित नहीं थी , बल्कि सामाजिक परिवर्तन के व्यापक आगमों को भी समेटती थी । उनका व्यक्तित्त्व बहुत बहुआयामी था । आध्यात्मिक साधना , नैतिक जागरण और समाजिक चेतना का अद्भुत समन्वय उनके कृतित्व में स्पष्ट दिखाई देता हैं । उन्होंने निरन्तर यह प्रयास किया की मनुष्य अपनी अन्तर्निहित नैतिक शक्ति की पहचानकर उसे व्यक्तिगत उत्थान तथा समाज-सुधार की दिशा में प्रयोग करें । तुलना के विष को कृतज्ञभावों से काटो यानि अपने पास जो है उसके लिए कृतज्ञता भाव रखो। उनके जीवन और कार्य ने यह सिद्ध किया हैं कि सच्ची आध्यात्मिकता व्यवहार में उतरकर ही समाज को नई दिशा प्रदान कर सकती हैं । आचार्य श्री तुलसी जैसे संत युग दृष्टा होते हैं, वे कर्मठ श्रृष्टा होते हैं। वे संतप्त सृष्टि के कष्ट निवारक अमृत वृष्टा होते हैं।गुरुदेव तुलसी हूबहू ऐसी ही विरल विभूति थे।वे भैक्षवगण के सक्षम पट्टधर संघ हृदय की अनुभूति थे। वह विरल संत थे । उनकी महिमा अनन्त थी । युग प्रधान, महान चिंतक थें । वह उन्होंने कितने ही नूतन अवदान दिए। वह प्रतिभा संपन्न एवं महान क्रांतिकारी कर्मशील जीवन पर्यन्त संत थे ।

› प्रदीप छाजेड़

कंक्रीट के जंगलों में प्रकृति की वापसी का प्रयास 'रिवाइल्डिंग'

> आज संपूर्ण यूरोप में 'री-वाइल्डिंग यूरोप' जैसी बड़ी संस्थाएं लुप्तप्राय प्रजातियों और बंजर भूमियों को उनका पुराना गौरव लौटाने में जुटी हैं।

यह बदलाव केवल पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं है। हमारे अपने देश भारत में भी इसके अत्यंत सफल और प्रेरणादायी प्रयोग आकार ले चुके हैं। मध्य प्रदेश के होशंगाबाद (अब नर्मदापुरम) जिले में स्थित शक्ति 'सतपुड़ा टाइगर रिजर्व' के भीतर से जब दर्जनों गांवों को उनके बेहतर पुनर्वास के साथ बाहर स्थानांतरित किया गया तो वह पूरी भूमि री-वाइल्डिंग का जीवंत उदाहरण बन गई। इंसानी दखल खत्म होते ही गांवों के पुराने खेतों ने प्राकृतिक घास के मैदानों का रूप ले लिया, जलस्रोत पुनर्जीवित हो गए और आज वहां बाघों और बारहसिंगों का कुनबा अपनी पूरी प्राकृतिक भव्यता के साथ फल-फूल रहा है।

इसी प्रकार दिल्ली जैसे महानगरीय कंक्रीट के जंगल के बीचोबीच यमुना नदी के किनारे विकसित किया गया 'यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क' (Yamuna Biodiversity Park) शहरी री-वाइल्डिंग का एक अद्भुत और अनुकरणीय मॉडल है। वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों के अनथक प्रयासों से इस कभी बंजर और खारी रही जमीन पर आज दिल्ली की मूल स्थानीय वनस्पतियां लहलहा रही हैं, और प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट ने कंक्रीट के शोर को पीछे धकेल दिया है।

शहरों के भीतर खाली पड़ी जमीनों, पुरानी मिलों के खंडहरों या अनछुए कोनों में यदि स्थानीय प्रजातियों के पेड़ों, झाड़ियों और लताओं को बिना किसी इंसानी काट-छांट के पनपने दिया जाए तो प्रकृति वहां ऐसी ही चमत्कारी वापसी करती है। कुछ ही समय में वहां स्थानीय कीट-पतंगे, रंग-बिरंगी तितलियां, मिट्टी को उपजाऊ बनाने वाले सूक्ष्म जीव और बचपन की स्मृतियों में खो चुकीं गौरैया जैसे पक्षी अपने आप लौटने लगते हैं।

जापान के विख्यात वनस्पति शास्त्री अकीरा मियावाकी की इस पद्धति ने दुनिया को यही सिखाया है कि बहुत कम जगह में भी स्थानीय पौधों की सघनता से एक आत्मनिर्भर और घना प्राकृतिक पर्यावरण कैसे खड़ा किया जा सकता है जो शहरों के फेफड़ों की तरह काम करे।

इस पूरी प्रक्रिया का सबसे सुंदर और वैज्ञानिक पक्ष इसका पूरी तरह से आत्मनिर्भर होना है। आम बागवानी में हमें लगातार खाद, पानी, कीटनाशकों और इंसानी देखरेख की जरूरत होती है, जो अपने आप में एक कृत्रिम व्यवस्था है। री-वाइल्डिंग प्रकृति की अपनी बुद्धिमत्ता पर भरोसा करती है। स्थानीय पेड़-पौधे उस क्षेत्र की मिट्टी और जलवायु के अनुकूल होते हैं, इसलिए उन्हें पनपने के लिए किसी बाहरी रसायन या अत्यधिक पानी की बैसाखी की जरूरत नहीं होती। वे खुद को मौसम के अनुसार ढालते हैं, अपनी पत्तों की खाद बनाते हैं और भूजल स्तर को सुधारने में मदद करते हैं। वैश्विक स्तर पर हो रहे शोध बताते हैं कि ये छोटे-छोटे शहरी जंगल शहरों के बढ़ते तापमान को कम करने, दूषित हवा को सोखने और मूसलाधार बारिश के दौरान बाढ़ जैसी स्थितियों को रोकने में बड़े-बड़े कृत्रिम पार्कों की तुलना करें तो कई गुना अधिक सक्षम और असरदार साबित होते हैं।

वैचारिक दृष्टि से देखें तो री-वाइल्डिंग मनुष्य के उस अहंकार को भी एक चुनौती है जिसके तहत वह हर प्राकृतिक चीज को अपने नियंत्रण में रखना चाहता है। घास की एक-एक पत्ती को सलीके से काटने और पौधों को इंसानी पसंद के आकार में ढालने की जिद के बीच हम यह भूल जाते हैं कि असली सौंदर्य प्रकृति के खुलेपन और उसकी विविधता में है। अपने महानगरीय जीवन में थोड़ा सा स्थान इस अनियंत्रित, उन्मुक्त प्रकृति को देकर हम पर्यावरण का संकट कम कर रहे हैं और अपनी आने वाली पीढ़ी को एक ऐसी दुनिया सौंपने की जमीन तैयार कर रहे हैं जहां वे किताबों से अलग, साक्षात प्रकृति को धड़कते और पनपते हुए देख सकें। यह प्रयास पृथ्वी को इंसानों की बनाई कंक्रीट की कैद से मुक्त कराकर उसे वापस उसकी अपनी मर्जी से जीने का अधिकार देने की एक बेहद मानवीय और संवेदनशील पहल है।

विवेक रंजन श्रीवास्तव

डिग्री से दक्षता की दिशा : शिक्षा संस्थानों में स्वाभिमानी स्वावलंबन का शुभारंभ

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाला राष्ट्र है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह जनसांख्यिकीय स्थिति भारत के लिए एक ऐतिहासिक अवसर प्रस्तुत करती है। युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है और यदि उसे उचित शिक्षा, कौशल तथा अवसर प्राप्त हों तो वह राष्ट्र को विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकती है किंतु विडंबना यह है कि आज भारत में बड़ी संख्या में शिक्षित युवा डिग्रियाँ प्राप्त करने के बावजूद बेरोजगारी, असुरक्षा और निराशा का सामना कर रहे हैं। इसका मूल कारण शिक्षा व्यवस्था का वह स्वरूप है जो विद्यार्थियों को केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने और प्रमाणपत्र प्राप्त करने तक सीमित कर देता है जबकि वर्तमान समय की आवश्यकता ज्ञान के साथ-साथ दक्षता, नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की है। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा संस्थान डिग्री प्रदान करने वाले केंद्र मात्र न बनें, बल्कि वे युवाओं को स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और दक्ष नागरिक बनाने वाले सशक्त संस्थान बनें। परंपरागत शिक्षा व्यवस्था लंबे समय तक इस धारणा पर आधारित रही कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद विद्यार्थियों को सहज रूप से रोजगार प्राप्त हो जाएगा किंतु वैश्वीकरण, तकनीकी क्रांति और बदलते आर्थिक परिदृश्य ने रोजगार की प्रकृति को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया है। आज केवल शैक्षणिक योग्यता पर्याप्त नहीं है, बल्कि संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, समस्या समाधान, डिजिटल दक्षता, टीम भावना, नवाचार और व्यावहारिक अनुभव भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। दुर्भाग्यवश देश के अनेक शिक्षण संस्थानों में अभी भी रटंत प्रणाली, परीक्षा-केंद्रित शिक्षण और सैद्धांतिक ज्ञान को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप लाखों विद्यार्थी डिग्री तो प्राप्त कर लेते हैं लेकिन वास्तविक कार्यक्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार नहीं हो पाते। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता का विषय है। आज का युग ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था का युग है जिसमें कौशल और नवाचार को विशेष महत्व प्राप्त है। कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, डेटा विज्ञान, डिजिटल मार्केटिंग, ई-कॉमर्स और स्टार्टअप संस्कृति ने रोजगार के नए अवसर उत्पन्न किए हैं।

डॉ. शैलेश शुक्ला

ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है...

राजेश श्रीवास्तव

राममंदिर में आखिर किसकी अनदेखी से हुई चढ़ावे की चोरी

राममंदिर चढ़ावा चोरी मामले की एफआईआर आखिरकार हो गई है। ट्रस्ट के दो लोगों चंपत राय और अनिल मिश्र का इस्तीफा भी हो गया है। पूरे हफ्ते चढ़ावे की चोरी का ये मामला सुर्खियों में है। राम मंदिर में चढ़ावे पर जो कुछ हो रहा है वो बहुत दुखद है। खुलासा अब जाकर हुआ है लेकिन जब मंदिर बन रहा था तब भी जमीन खरीद को लेकर शोर शराबा हुआ था। उस वक्त बात आई-गई हो गई। अगर उस वक्त ही इस पर ध्यान दिया जाता तो शायद बात चंदा चोरी तक आती ही नहीं। तो आखिर उस समय उसे क्यों दबाया गया। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अनिल मिश्र पर तब भी उंगली उठी थी। एक बार मान भी लें कि चंपत ने चंदा चंपत नहीं किया लेकिन निगरानी की जिम्मेदारी उन पर ही है तो वह कहीं न कहीं जिम्मेदार माने ही जायेंगे।

उन्होंने क्यों नहीं ध्यान दिया कि कैसे उनका एक ड्राइवर इतनी जल्दी करोड़ों की संपत्ति खड़ी कर लेता है। जब वो अपने 60 कमरे का हॉस्टल बनवा लेता है, जब वो उसका उद्घाटन करता है तो ट्रस्ट से जुड़े लोग भी जाते हैं। जब आपके सामने दिखाई दे रहा है कि एक आदमी जो साइकिल से चलता था वो बड़ी-बड़ी गाड़िया खरीद रहा है फिर भी आप भोले बने रहे। ये आपराधिक अनदेखी

है। ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे पता चलता है कि हमारे धर्म के ठेकेदार किस स्तर तक भ्रष्ट हैं। जिसके देखरेख में ये सब काम हो रहा था, जिम्मेदारी उसकी है भले ही उसने एक भी रुपया नहीं लिया हो। दुर्भाग्य ये है कि ऐसा शायद हर संस्था में हो रहा है और हम आंख मूंदकर आगे चल रहे हैं। जो लोग कर्ताधर्ता बने हुए थे शायद वो खुद को इंसान से ऊपर भगवान से थोड़ा ही नीचे समझते थे।

दूसरी तरफ इतना बड़ा मामला सामने आने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप क्यों हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत चुप क्यों हैं। क्या योगी आदित्यनाथ बुलडोजर चलाएंगे। रही बात चंपत राय कि तो जब उन्हें ये लगने लगा था कि वो यहां के सेवक नहीं है बल्कि वो इसके मालिक बन गए हैं। मुझे लगता है कि ट्रस्ट के दो लोगों के इस्तीफा को अंतिम नहीं माना जाना चाहिए। पूरे ट्रस्ट को बर्खास्त कर देना चाहिए। जिस बात की चर्चा अयोध्या की गली-गली में थी क्या वो बात चंपत राय को नहीं मालूम थी? राम मंदिर ट्रस्ट का पहला मामला तब आया था जब दो करोड़ की जमीन 18 करोड़ में खरीदी गई थी। वहीं, अंकुश लगना चाहिए था। जिन पर एफआईआर हुई है वो सिर्फ प्यादे हैं। सीसीटीवी अगर बंद हो गए तो ये कोई टिन्नू तो अकेले नहीं करा सकता है। ट्रस्ट जो बना, उस ट्रस्ट का ही ट्रस्ट खत्म हो गया है। इसलिए मुझे लगता है ट्रस्ट को भंग किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यह बहुत गंभीर मामला है क्योंकि यह मामला लाखों भारतीयों की आस्था से जुड़ा है। लाखों भारतीयों ने श्रद्धा और भरोसे के साथ राम मंदिर को दान दिया लेकिन ट्रस्ट ने लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ किया और जमकर लूटपाट की। राम मंदिर ट्रस्ट ने वित्तीय जांच और छानबीन के लिए एजेंसियां नियुक्त की थीं, जिन्होंने कई सुझाव दिए लेकिन ट्रस्ट के लोगों ने उन सुझावों को नजरअंदाज कर दिया। जब चोरी की घटनाएं सामने आने लगीं और मंदिर के कैश काउंटिग एजेंट ने जब कई मामलों का सार्वजनिक तौर पर खुलासा किया तो उन्हें पद से हटा दिया गया। जब और खुलासे होने लगे तो सीसीटीवी कैमरे हटा दिए गए और कैमरे की रिकॉडिग डिलीट कर दी गई। इस मामले में एसआईटी की रिपोर्ट के बाद कुछ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई लेकिन उसमें सिर्फ छोटे कर्मचारियों के नाम शामिल थे। यूपी पुलिस एसआईटी ने इस मेगा रैकेट के शीर्ष पर बैठे लोगों को फंसाए बिना केवल निचले स्तर के पदाधिकारियों की पहचान की है। सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज की अगुवाई में एक स्वतंत्र जांच से ही इस मंदिर लूट की बड़ी रकम का पता चल पाएगा। राम मंदिर में चोरी का प्रकरण उजागर होने के बाद आज यह तो तय है कि जिन लोगों ने राम मंदिर के निर्माण के लिए शहादत दी उनकी आत्मा रो रही होगी, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी वह सोच रहे होंगे कि आखिर क्यों राम मंदिर की लड़ाई लड़ी और राम भी दुखी होंगे कि उनकी अयोध्या आज कैसी हो गयी है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान ने रोशन की सुशील की एलईडी बल्ब यूनिट, बनाया आत्मनिर्भर

उत्तर प्रदेश में युवाओं की ऊर्जा और मेधा को सही दिशा देने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत है। आज का युवा केवल नौकरी की तलाश में भटकने के बजाय खुद का उद्यम स्थापित करने की सोच रख रहा है। इस सोच को हकीकत में बदलने का काम प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं कर रही हैं। किसी भी राज्य की आर्थिक और सामाजिक प्रगति तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब वहां के युवाओं को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त अवसर और संसाधन मिलें। इसी उद्देश्य के साथ शुरू की गई योजनाएं राज्य के कोने-कोने में बदलाव की एक नई इबारत लिख रही हैं। सपने तभी साकार होते हैं जब उन्हें पूरा करने का अटूट साहस और सही समय पर उचित अवसर दोनों एक साथ मिल जाएं।

प्रदेश सरकार की ''मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान'' योजना ठीक इसी तरह युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम बन रही है। यह योजना युवाओं को रोजगार खोजने वाले पारंपरिक ढर्रे से बाहर निकालकर रोजगार सृजित करने वाला एक मजबूत और आत्मनिर्भर उद्यमी बनाने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वित्तीय सहायता, सही मार्गदर्शन और प्रशासनिक सहयोग के अनूठे त्रिकोण के माध्यम से यह योजना आज प्रदेश के हजारों-लाखों युवाओं के जीवन में बड़ा और सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। इस योजना का प्रभाव केवल कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण और शहरी अंचलों के धरातल पर साफ देखा जा सकता है। जनपद लखीमपुर खीरी के एक छोटे से गांव के रहने वाले युवा श्री सुशील कुमार इस व्यवस्थागत बदलाव और व्यक्तिगत दृढ़ संकल्प की एक बेहद प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरे हैं। तहसील मोहम्मदी के अंतर्गत आने वाले ग्राम सदियापुर बलमियां बढ़कर के निवासी श्री सुशील कुमार के मन में हमेशा से अपना खुद का एक व्यवसाय स्थापित करने की तीव्र इच्छा थी। उनका यह स्पष्ट मानना था कि यदि स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के नए अवसर विकसित किए जाएं, तो इससे न केवल उनके खुद के परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी बल्कि क्षेत्र के अन्य ग्रामीण युवाओं को भी अपने घर के पास ही काम मिल सकेगा। उनके मन में काफी समय से एलईडी बल्ब निर्माण और उसकी असेंबली इकाई स्थापित करने का एक बेहतरीन विचार चल रहा था। वर्तमान समय में देखा जाए तो ऊर्जा दक्ष और पर्यावरण के अनुकूल एलईडी उत्पादों की मांग बाजार में लगातार तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में इस क्षेत्र में व्यवसाय की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। हालांकि, किसी भी नए व्यवसाय को शुरू करने के लिए जो सबसे पहली और आवश्यक चीज होती है, वह है पर्याप्त पूंजी। सुशील कुमार के लिए इस पूंजी की व्यवस्था करना ही उनके जीवन की सबसे बड़ी और कठिन चुनौती बनकर सामने खड़ी थी। सीमित आर्थिक संसाधनों और पारिवारिक बंधनों के कारण एक समय ऐसा भी आया जब उनका यह बड़ा सपना साकार होता हुआ नहीं दिख रहा था। वह लगातार संसाधनों को जुटाने के प्रयास में लगे हुए थे लेकिन हर बार वित्तीय कमी आड़े आ जा रही थी। इसी कशमकश के दौरान उन्हें प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त हुई। इस जानकारी ने निराश हो चुके उनके मन को एक नई उम्मीद दी और उनके जीवन को एक बिल्कुल नई दिशा देने का कार्य किया। योजना की बारीकियों को समझने के बाद श्री सुशील कुमार ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत एलईडी बल्ब असेंबली एवं मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना के लिए जिला प्रशासन के माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत किया।

जरा हटके

इसी प्रकार प्रदेश ...

अभिषेक सक्सेना

रिमोट सेंसिंग तकनीक से फसलों का सटीक मानचित्रण से प्रदेश के किसानों का बढ़ा उत्पादन

कृषि प्रधान उत्तर प्रदेश में फसलों की सही जानकारी, उनके क्षेत्रफल का आकलन और उत्पादन की प्रभावी योजना बनाना हमेशा से एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है। परंपरागत सर्वेक्षण विधियों में समय, संसाधन और मानव श्रम की अधिक आवश्यकता होती है। ऐसे में आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने इस चुनौती का समाधान प्रस्तुत किया है। उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन्स सेंटर (आरएसएसी) द्वारा उपग्रह आधारित तकनीकों का उपयोग कर प्रदेश की विभिन्न फसलों का वैज्ञानिक मानचित्रण एवं क्षेत्रफल आकलन किया जा रहा है। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) तकनीकों की सहायता से प्रदेश के चयनित 20 जनपदों में केला फसल का ब्लॉक एवं जनपद स्तर पर मानचित्रण तथा क्षेत्रफल आकलन किया गया है। इनमें गोरखपुर, अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कुशीनगर, बहराइच, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, फतेहपुर, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, कौशाम्बी, संत कबीर नगर, गोंडा, बस्ती और अम्बेडकर नगर जैसे प्रमुख जनपद शामिल हैं। इस पहल से केला उत्पादन वाले क्षेत्रों की सटीक पहचान संभव हुई है, जिससे किसानों और नीति निर्माताओं को बेहतर योजना बनाने में सहायता मिल रही है। अंतरिक्ष से किए गए मानचित्रण से किसानों को फसलोंत्पादन में बढ़ोतरी हो रही है।

इसी प्रकार प्रदेश के 37 जनपदों में मेंथा फसल का भी ब्लॉक एवं जनपद स्तर पर मानचित्रण और क्षेत्रफल आकलन किया गया है। बाराबंकी, सीतापुर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, अलीगढ़, हाथरस, एटा, कासगंज, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर, पीलीभीत, बिजनौर, अमरोहा,

संभल, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, प्रतापगढ़, झांसी, जालौन, आजमगढ़, महाराजगंज, संत कबीर नगर, लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, लखीमपुर खीरी, हरदोई, अयोध्या, अम्बेडकर नगर, सुल्तानपुर, अमेठी, गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती और बदायूं जैसे जनपद इस अध्ययन का हिस्सा रहे हैं। इससे प्रदेश में मेंथा उत्पादन के वास्तविक स्वरूप को समझने और उससे जुड़े उद्योगों के लिए आवश्यक आंकड़े उपलब्ध कराने में मदद मिली है।

इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में जायद एवं रबी मौसम की सब्जी फसलों का ब्लॉक और जनपद स्तर पर मानचित्रण तथा क्षेत्रफल आकलन किया जा रहा है। यह कार्य प्रदेश की खाद्य सुरक्षा, बाजार प्रबंधन और कृषि योजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। सटीक आंकड़ों के आधार पर सरकार विभिन्न योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू कर सकती है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत उपग्रह चित्रों का पूर्व-क्षेत्रीय विश्लेषण, फसलों की पहचान और वर्गीकरण, भू-सत्यापन, गुणवत्ता परीक्षण तथा क्षेत्रफल विश्लेषण जैसे वैज्ञानिक चरणों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। वर्तमान में इन आंकड़ों के आधार पर विस्तृत मानचित्र तैयार किए जा रहे हैं, जो कृषि प्रबंधन और निर्णय निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित यह पहल दर्शाती है कि आधुनिक अंतरिक्ष तकनीक केवल अनुसंधान तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों के खेतों तक पहुँचकर कृषि विकास की नई संभावनाएँ भी खोल रही है। रिमोट सेंसिंग और जीआईएस आधारित यह कार्य उत्तर प्रदेश को तकनीक-संचालित कृषि की दिशा में आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे भविष्य में कृषि योजनाओं की सटीकता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। लेकिन बदलते जलवायु परिदृश्य, अनियमित वर्षा, बढ़ते तापमान, मिट्टी की उर्वरता में कमी तथा प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव ने कृषि क्षेत्र के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। ऐसे समय में खेती को अधिक टिकाऊ, लाभकारी और वैज्ञानिक बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग आवश्यक हो गया है।

इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (आरएसएसी-यूपी) द्वारा 'जलवायु अनुकूलन कृषि एवं मौजूदा प्राकृतिक संसाधनों का उपग्रहीय आंकड़ों से मानचित्रण' परियोजना संचालित की गई। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य कृषि और प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर किसानों को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में सहायता प्रदान करना है।

परियोजना के अंतर्गत रिमोट सेंसिंग, भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) तथा वैश्विक स्थितिकरण प्रणाली (जीपीएस) जैसी आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग किया गया। इन तकनीकों के माध्यम से फसलों की स्थिति, मिट्टी की नमी, पोषक तत्वों की उपलब्धता तथा भूमि उपयोग में होने वाले परिवर्तनों का विस्तृत अध्ययन किया गया। प्राप्त आंकड़ों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों के लिए मानचित्र तैयार किए गए, जिससे यह समझने में सहायता मिली कि कहाँ कृषि उत्पादन अधिक है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

आज कृषि क्षेत्र बढ़ती लागत और घटती उत्पादकता जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है।

अखिलेश का ऐलान : मैं राम मंदिर दर्शन करने जाऊंगा

चढ़ावा चोरी के तार महाराष्ट्र से जुड़े, भाजपा का न धर्म है, न शर्म है

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। सपा प्रमुख अखिलेश यादव रविवार को प्रयागराज पहुंचे। यहां उन्होंने राम मंदिर कब जाएंगे, इस पर जवाब दिया। अखिलेश ने कहा कि इटावा में केदारेश्वर मंदिर बनते ही हम मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के दर्शन करने जाएंगे। इस दौरान अखिलेश ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कहा कि अयोध्या ही नहीं, पूरे उत्तर प्रदेश में जनता आक्रोशित है। सुना है डोनेशन के तार कर्नाटक और महाराष्ट्र से जुड़े हैं। असली संतों को अपनी बात नकली संत तक पहुंचाने में बहुत समय लगेगा, भाजपा के शब्दकोष में न धर्म है न शर्म है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के मंदिर को लेकर जिस तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं, वो किसी ने सोचा भी नहीं था। उन्होंने कहा- भाजपा 4C (चंदा, चोरी, चतुराई, चालाकी) पर काम कर रही है। अखिलेश यादव के दो दिवसीय दौरे को प्रयागराज और आसपास के जिलों के लिए अहम माना जा रहा है। दो दिनों के दौरान वह विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर भी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ मंथन करेंगे। यही वजह है कि प्रयागराज के अलावा आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में समर्थक एयरपोर्ट पहुंचे हैं। अखिलेश यादव के आने से पहले एयरपोर्ट पर समर्थकों का हुजूम उमड़ने लगा है।

अखिलेश बोले- भाजपा ने 10 साल में आरक्षण घोटाला किया

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार को 10 साल हो रहे हैं। इस दौरान भर्ती परीक्षा में संविधान के तहत जो अधिकार मिलता है, वह नहीं दिया गया। जबकि सरकार बड़े-बड़े दावे करती है।

अखिलेश यादव ने कहा समाजवादी पीडीए ऑडिट में हमने सबसे पहले पेज पर 2019 में हुए 69 हजार शिक्षक भर्ती का जिक्र है। संविधान के तहत जितना मिलना चाहिए, उतना नहीं मिला। इस किताब में जो सवाल हैं, उसका जवाब भाजपा सरकार ने नहीं दिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि नौजवान और छात्र हमारे भविष्य हैं। यही हमारे देश के फाउंडेशन हैं। कल ही जानकारी मिली कि महाराष्ट्र में पेपर लीक हो गया है।

- अखिलेश यादव एयरपोर्ट से बाहर निकले तो कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया।
- रुद्राक्ष होटल में प्रेस वार्ता से पहले अखिलेश यादव ने सभी से हाथ जोड़कर नमस्कार किया। इस दौरान उन्होंने पेपर लीक मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

अखिलेश बोले- चोर-चोर सौतेले भाई, जिन्होंने चुराई राम की पाई

प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को लेकर भाजपा पर कटाक्ष किया। उन्होंने चार लाइन को कविता के अंदाज में कहा- चोर-चोर मौसेरे भाई, जिन्होंने चुराई राम की पाई। देखो जा रहा वो भाजपाई, जिसने खाई राम की पाई।

अखिलेश बोले- संविधान को बदलने के लिए सांसदों को तोड़ रहे

अखिलेश यादव ने कहा कि जब जनता ने यह बात समझ ली कि ये लोग संविधान बदल देंगे, तो भारतीय जनता पार्टी को हरा दिया। अब वही हारे हुए लोग साजिश करके चालबाजी और धोखेबाजी से संस्थाओं के माध्यम से सांसदों को तोड़ रहे हैं। वो संविधान को बदलना चाहते हैं।

दूसरे दिन भी करेंगे प्रेस वार्ता

इसके बाद दोपहर 2 बजे वह एक बार फिर मीडिया से बातचीत करेंगे और दोपहर 3 बजे अल्लापुर स्थित मेजा विधायक संदीप पटेल के आवास पहुंचेंगे, जहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे समाजवादी पार्टी के लिए यह दौरा संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हाथरस में विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाया, पुलिस को पीएम रिपोर्ट का इंतजार

तमसा संकेत, एजेंसी

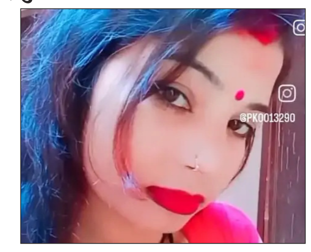

हाथरस। हाथरस के सहपऊ कोतवाली क्षेत्र के खोंडा गांव में रविवार सुबह 10 बजे लगभग एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान फिरोजाबाद के बेंदी गांव निवासी 20 वर्षीय पूजा पुत्री महेश चंद के रूप में हुई है। लगभग 10 माह पहले उसकी शादी खोंडा गांव के धर्मेंद्र से हुई थी। पूजा इस समय गर्भवती थी। मायके पक्ष के अनुसार, रविवार सुबह करीब 9:30 बजे उनकी पूजा से बात हुई थी। इसके कुछ ही देर बाद ससुराल पक्ष से फोन आया कि पूजा की मौत हो गई है। इसकी सूचना मिलने पर ससुराल पक्ष के लोग भी दोपहर को यहां आ गए। पूजा के भाई बंटी ने आरोप लगाया कि पूजा का पति धर्मेंद्र पल्लेदारी का काम करता है और शराब पीकर अक्सर पूजा के साथ मारपीट करता था। बंटी ने बताया कि पति और अन्य ससुराल वाले पूजा को लगातार प्रताड़ित करते थे, जिससे वह परेशान रहती थी। मायके पक्ष का स्पष्ट आरोप है कि पूजा की हत्या की गई है। पुलिस ने सभी आरोपों को संज्ञान में लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच पड़ताल जारी है।

फास्ट न्यूज

इमाम हुसैन के तीजे पर निकले अलम और अखाड़े

वाराणसी। इमाम हुसैन और उनके साथियों को करबला के मैदान में उस वक्त के आतंकवादी यजीद की सेना ने तीन दिन का भूखा प्यासा शहीद किया था। 1400 साल पहले यह वाक्य इस्लामिक कैलेंडर के मोहर्रम माह की 10 तारीख को हुआ था। तब से आज तक इमाम हुसैन की शहादत याद की जाती है। इसी क्रम में उनकी शहादत के दूसरे दिन तीजे का जुलूस निकाला गया। इमाम हुसैन की शहादत के दूसरे दिन वाराणसी के कई इलाकों से इमाम के तीजे पर अलम का जुलूस निकाला गया।

विमान के पंखे की चपेट में आई पायलट

कानपुर। कानपुर एयरपोर्ट पर नाइट फ्लाइंग ट्रेनिंग के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई। 26 जून (शुक्रवार) की रात ट्विन इंजन विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई। लेकिन, इंजन बंद होने से पहले ही ट्रेनी पायलट विमान से नीचे उतर गई। इस वजह से वह घूम रहे प्रोपेलर (पंखे) की चपेट में आ गई। हादसे में उसकी पीठ पर गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज चल रहा है। घटना के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने जांच शुरू कर दी है। साथ ही फ्लाइट इंस्ट्रक्टर को ट्रेनिंग ड्यूटी से हटा दिया है।

शादी में हवाई फायरिंग, महिला समेत 5 लोग घायल

हरदोई। हरदोई जिले के संडीला थाना क्षेत्र के पिपरहा मजरा असोधा गांव में शनिवार देर रात करीब 11:30 बजे एक शादी समारोह में हवाई फायरिंग और मारपीट की घटना सामने आई है। इस हमले में एक महिला समेत परिवार के पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। पीड़ित जयप्रकाश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रविवार देर रात उनके चाचा रामकिशन की बेटी की बारात हरदोई से आई थी।

सोनभद्र इंजीनियरिंग कॉलेज की 3 छात्राएं एकेटीयू मेरिट में

समृद्धि कुशवाहा को पहली और अराधना को मिली सातवीं रैंक

तमसा संकेत, एजेंसी

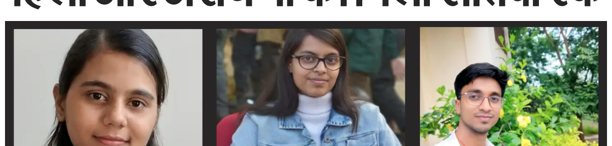

सोनभद्र। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, सोनभद्र की तीन छात्राओं ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (AKTU) की बी.टेक. परीक्षा की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि कॉलेज के विद्युत अभियंत्रण विभाग के लिए गौरव का विषय है। इन छात्राओं में समृद्धि कुशवाहा (रोल नंबरः 2208410200037) ने 9.04 सीजीपीए के साथ विश्वविद्यालय में पहली रैंक हासिल की। आराधना तिवारी (रोल नंबरः 2308410209002) ने 8.87 सीजीपीए के साथ सातवीं रैंक और गोमती प्रसाद साहू (रोल नंबरः 2208410200016) ने 8.85 सीजीपीए के साथ नौवीं रैंक प्राप्त की है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर महाविद्यालय के निदेशक प्रो. के. एस. वर्मा, विद्युत अभियंत्रण विभागाध्यक्ष डॉ. विजय प्रताप सिंह, तथा विभाग के प्राध्यापक डॉ. आर. के. पटेल और श्री राम वैस सहित समस्त संकाय सदस्यों ने छात्राओं को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। निदेशक प्रो. के. एस. वर्मा ने इस उपलब्धि को महाविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों के निरंतर परिश्रम का परिणाम बताया। विभागाध्यक्ष डॉ. विजय प्रताप सिंह ने छात्राओं की सफलता को विभाग के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया। उन्होंने कहा कि उनकी मेहनत, समर्पण और शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन ने विद्युत अभियंत्रण विभाग को विश्वविद्यालय स्तर पर एक नई पहचान दिलाई है। डॉ. सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी विभाग के विद्यार्थी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे।

6 जुलाई से कई ट्रेनें रद्द और कई का बदलेगा रूट, यात्रा से पहले जरूर स्टेटस चेक करें

गोंडा-बुढ़वल रेलखंड पर तीसरी लाइन का काम शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर से सफर करने वाले रेल यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। गोंडा-बुढ़वल रेलखंड पर तीसरी रेल लाइन बिछाने के लिए रेलवे 6 जुलाई से प्री-नॉन इंटरलॉकिंग और नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य शुरू करेगा। इसके चलते कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। कुछ ट्रेनें पूरी तरह रद्द रहेंगी, जबकि कई एक्सप्रेस और स्पेशल ट्रेनों को बदले हुए मार्ग से चलाया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की अपील की है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार ने बताया कि तीसरी रेल लाइन बनने से इस रेलखंड पर ट्रेनों का संचालन अधिक सुगम और तेज होगा। इससे परिचालन क्षमता बढ़ेगी, ट्रेनों की लेटलतीफी कम होगी और भविष्य में अधिक ट्रेनों का संचालन संभव हो सकेगा। निर्माण कार्य के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए प्रभावित ट्रेनों की सूची पहले ही जारी कर दी गई है। 01082 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्पेशल 9 जुलाई को मनकापुर, अयोध्या कैंट, ऐशबाग और मानक नगर के रास्ते संचालित होगी। इस ट्रेन का अतिरिक्त ठहराव मनकापुर और ऐशबाग स्टेशन पर रहेगा।

6 से 10 जुलाई तक ये ट्रेनें रहेंगी रद्द

रेलवे के अनुसार 55061 नकहा जंगल-ऐशबाग सवारी ट्रेन 6 से 10 जुलाई तक रद्द रहेगी, जबकि 55062 ऐशबाग-नकहा जंगल सवारी ट्रेन 7 से 11 जुलाई तक नहीं चलेगी। वहीं 05057 गोरखपुर-दिल्ली स्पेशल 2 और 9 जुलाई तथा 05058 दिल्ली-गोरखपुर स्पेशल 3 और 10 जुलाई को रद्द रहेगी।

कई एक्सप्रेस ट्रेनें बदले हुए रूट से चलेंगी

15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस 6, 7 और 8 जुलाई को बाराबंकी, अयोध्या कैंट, मनकापुर और बस्ती होकर संचालित होगी। इस दौरान मनकापुर, बस्ती और खलीलाबाद में अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा। 01415 पुणे-गोरखपुर स्पेशल 8 और 9 जुलाई को बाराबंकी, अयोध्या कैंट और मनकापुर के रास्ते चलेगी, जबकि 01416 गोरखपुर-पुणे स्पेशल 9 और 10 जुलाई को मनकापुर, अयोध्या कैंट और बाराबंकी होकर संचालित होगी। दोनों ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव मनकापुर स्टेशन पर रहेगा।

इन ट्रेनों का भी बदलेगा मार्ग

05576 आनंद विहार टर्मिनस-सहरसा स्पेशल 9 जुलाई को रोजा, आलमनगर, लखनऊ जंक्शन, मल्हौर, बाराबंकी, अयोध्या कैंट और मनकापुर होकर चलेगी तथा मनकापुर में अतिरिक्त ठहराव करेगी।

अलीशा जोगेंद्र के प्यार में छत्तीसगढ़ से यूपी चली आई

धर्म बदलकर अदिति नाम रखा, बोली- फेसबुक पर दोस्ती हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर। छत्तीसगढ़ की रहने वाली अलीशा अपने बॉयफ्रेंड के प्यार में यूपी के रामपुर भागती चली आई। उसने अब अपने दोस्त जोगेंद्र से शादी भी कर ली है। साथ ही नाम बदलकर अदिति रख लिया है। वह 10 मई को बस पकड़ कर रामपुर आ गई थी। इसके बाद से अपने प्रेमी के घर पर ही रह रही थी। अलीशा के घरवाले 26 जून को उसे लेने रामपुर पहुंचे तो हिंदू संगठन के सदस्य विरोध पर उतर आए। उन्होंने लड़की के बालिग होने के पेपर दिखाए। दोनों की सहमति से शादी होने की बात की। वहीं 27 जून को दोनों की शिव मंदिर में शादी करवा दी गई। इससे 21 जून को दोनों पहले ही घर में शादी कर चुके थे। लड़की का नाम अलीशा खातून (20) था। अब उसने अपना धर्म बदलकर नाम अदिति रख लिया है। वहीं प्रेमी का नाम जोगेंद्र (21) है। दोनों 10वीं पास हैं। शादी करने के बाद अदिति ने बताया, हम लोगों की दोस्ती फेसबुक पर हुई थी। 2 साल से हमारा अफेयर चल रहा है। जोगेंद्र मुझसे मिलने छत्तीसगढ़ भी आ चुके हैं। हमारे घरवाले इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं थे, तभी हम लोगों ने ऐसे शादी की है। मैं हिंदू धर्म में आकर खुश हूं। वहीं इस मामले में अदिति के घरवाले कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। वह लोग रामपुर से वापस छत्तीसगढ़ चले गए। ये मामला रामपुर शहर का है। अदिति ने आगे बताया, जोगेंद्र के परिवार वाले बहुत अच्छे हैं। मैंने जो भरोसा जोगेंद्र पर किया उसकी जीत हुई है। सभी लोगों ने मुझे स्वीकार कर लिया है। हिंदू संगठन के लोगों ने भी मेरी मदद की। उनकी वजह से मैं यहां रुक पाई हूं। वहीं जोगेंद्र ने बताया, मैं अपनी पत्नी को आगे पढ़ाऊंगा। वो जो बनना चाहेगी उसमें उसकी मदद करूंगा। 12वीं तो जरूर पास करवा दूंगा। बता दें, अदिति के पिता दुबई में काम करते हैं।

2 बुलडोजर से तोड़ी जा रही मजार

सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनाई गई, कोरोना काल में रातों-रात बना दिए थे गुंबद

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी क्षेत्र में रविवार को जिला प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बने कथित अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मजार को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। मौके पर करीब 650 पुलिसकर्मी और दो कंपनी पीएसी तैनात की गई, जबकि प्रशासनिक अधिकारी पूरे अभियान की निगरानी करते रहे। प्रशासन के अनुसार जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ को ट्रोनिका सिटी क्षेत्र में सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण होने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने लोनी के एसडीएम और तहसीलदार को पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए। राजस्व विभाग की जांच में सामने आया कि संबंधित मजार का निर्माण सरकारी भूमि पर बिना वैधानिक अनुमति के किया गया था।

गाजियाबाद में मजार को तोड़ता बुलडोजर।

1 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए

डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि एक हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। यहां पीएसी भी तैनात की गई है। मजार और आसपास सरकारी भूमी है। इस जमीन की कीमत करोड़ों रुपये में है। यहां आसपास के लोगों के पहुंचने पर रोक लगाई है। जहां आसपास भी फोर्स तैनात की गई है। पुलिस प्रशासन ने 2 बुलडोजर लगाकर मजार को तोड़ना शुरू किया है।

डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र ट्रांस दिल्ली के सेक्टर सी- 8 की जमीन गांव लुत्फुल्लापुर में है। 23 नवंबर 1989 को इस जमीन का अधिग्रहण किया गया था। इसके बाद यहां अवैध तरह से मजार का निर्माण करा दिया। जहां मुस्लिम समुदाय के लोग मजार पर मत्था टेकने जाते थे। 31 मई 2017 को भी मजार के अतिक्रमण हटाने के लिए एसएसपी द्वारा नोटिस दिया गया था। 2021 में कोरोना के समय रात में चोरी छिपे मजार की गुंबद भी बना दी। जिसके बाद यहां और भी अतिक्रमण बढ़ गया। पूर्व कई बार इस अतिक्रमण को हटाने के लिए पत्र भी लिखे गए।

घटना : फिरोजाबाद में फंदे से लटका मिला शव, मायके वालों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

शादी के 2 महीने बाद विवाहिता की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

फिरोजाबाद जिले के जसराना क्षेत्र के पारौली गांव में रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक नवविवाहिता का शव घर के अंदर फंदे से लटका हुआ मिला। शादी को अभी महज दो महीने ही हुए थे कि अचानक हुई इस घटना ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया। सूचना मिलते ही ससुराल पक्ष के लोग घर छोड़कर फरार हो गए।

मृतका करिश्मा के मायके पक्ष ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि शादी के बाद से ही उसे लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। मृतका के भाई के अनुसार, ससुराल पक्ष की ओर से मोटरसाइकिल और सोने की जंजीर की मांग की जा रही थी। न्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना की जानकारी मिलते ही ससुराल पक्ष के सभी लोग घर छोड़कर फरार हो गए। गांव में अचानक हुई इस घटना से तनाव का माहौल बन गया। ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

"आरोप है कि मांग पूरी न होने पर करिश्मा को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया और शनिवार रात उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी गई। इसके बाद साक्ष्य छिपाने के लिए शव को फंदे से लटका दिया गया।"

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जांच शुरू

सूचना पर थाना जसराना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी राजेश पांडेय ने बताया कि मायके पक्ष की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पति मुंबई में, ग्रामीणों ने बताया वैवाहिक विवाद की जानकारी नहीं थी

स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतका का पति करन करीब 15 दिन पहले काम के सिलसिले में मुंबई गया हुआ था। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि पति-पत्नी के बीच किसी बड़े विवाद की जानकारी उन्हें नहीं थी, जिससे मामला और भी संदिग्ध हो गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना की जानकारी मिलते ही ससुराल पक्ष के सभी लोग घर छोड़कर फरार हो गए। गांव में अचानक हुई इस घटना से तनाव का माहौल बन गया। ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

बिजनौर में संत कबीर की 629वीं जयंती मनाई गई

बड़ी संख्या में लोग हुए शामिल, आदर्शों को अपनाने पर जोर दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

बिजनौर। बिजनौर शहर से सटे धारूवाला में भुइयार समाज द्वारा संत कबीर साहेब की 629वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर कबीर साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने पर जोर दिया। गांव धारूवाला स्थित संत कबीर धर्मशाला में आयोजित विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए भुइयार एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष मास्टर राजेंद्र कुमार भुइयार ने कहा कि संत कबीर साहेब के आदर्शों को जीवन में उतारने की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कबीर की वाणी आज भी प्रासंगिक है और उनके आदर्शों को अपनाकर समाज का उत्थान किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि मास्टर कार्मेंद्र सिंह ने संत कबीर साहेब के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कबीर साहेब ने समाज को पाखंडवाद से मुक्त करने के लिए कार्य किया और उनकी वाणी आज भी समाज को आईना दिखाती है। संजीव कुमार भुइयार ने कहा कि देश भर में कबीर साहेब की 629वीं जयंती मनाई जा रही है और उनके आदर्शों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। प्रवक्ता डॉ. संदीप सिंह ने संत कबीर साहेब के जीवन पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि उनकी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं था। विचार गोष्ठी में बादाम सिंह, रामगोपाल सिंह, सुरेश कुमार भुइयार, कार्मेंद्र सिंह, मनीराम भुइयार, सुदेश कुमार भुइयार, छतरपाल सिंह, विवेक सिंह भुइयार, टीकम सिंह, डॉ. संजीव कुमार, पवन सिंह, राजबहादुर सिंह, अमित कुमार, सुमित कुमार, शगुन कुमार, रोहित कुमार, दीपक सिंह, नेपाल सिंह, दक्ष सिंह और तृषा सिंह सहित कई अन्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए।

गोंडा में दोस्त की बहन से 1.5 साल पहले शादी की थी, 2 के खिलाफ एफआईआर

बहन को भगाकर शादी करने वाले की गला रेतकर हत्या

- वारदात के बाद पुलिस आजाद को लेकर अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।
- आजाद की पत्नी ने बताया कि शनिवार रात को गांव के ही सुरेश विश्वकर्मा उनके पति को बुलाकर ले गए थे।

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में प्रेम विवाह की रंजिश ने एक युवक की जान ले ली। आरोप है कि अपनी बहन को भगाकर शादी करने से नाराज युवक ने डेढ़ साल बाद अपने साथियों के साथ मिलकर बहनोई की गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मृतक की मां की तहरीर पर दो आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। यह सनसनीखेज घटना शनिवार देर रात वजीरगंज थाना क्षेत्र के चिलमपुर गांव में हुई, जहां एक निमंत्रण कार्यक्रम के दौरान आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक, वजीरगंज थाना क्षेत्र के पुरवा गांव निवासी 30 वर्षीय आजाद सिंह ने करीब डेढ़ वर्ष पहले अपने दोस्त और रिश्ते में चाचा लगने वाले संदीप सिंह की सौतेली बहन पिंकी सिंह के साथ प्रेम विवाह किया था। दोनों घर से भागकर शादी कर चुके थे।

आजाद सिंह, मृतक

शराब पीने के दौरान हुआ विवाद, गले पर चाकू से किया वार

पुलिस जांच में सामने आया है कि आजाद अपने साथी सुरेश विश्वकर्मा के साथ चिलमपुर गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम में जाने से पहले दोनों गांव में ही रुके और शराब पीने लगे। इसी दौरान पिंकी का सौतेला भाई संदीप सिंह भी वहां पहुंच गया। बहन को भगाकर शादी करने की पुरानी रंजिश को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद हिंसक हो गया और आरोप है कि संदीप सिंह ने चाकू निकालकर आजाद के गले पर कई वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल आजाद ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

> एएसपी पश्चिमी राधेश्याम राय ने बताया- शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। मृतक की मां की तहरीर पर रिश्ते में चाचा लगने वाले संदीप सिंह और गांव के सुरेश विश्वकर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

दो आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज

पुलिस ने मृतक की मां शीला सिंह की तहरीर पर संदीप सिंह और सुरेश विश्वकर्मा के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपी घटना के बाद से फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम विवाह की पुरानी रंजिश से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जब वह वापस लौटे तो लोगों ने बताया कि उनके घर के सामने एक व्यक्ति पड़ा हुआ है। पहले उन्हें लगा कि कोई शराब के नशे में सड़क किनारे पड़ा है, लेकिन पास जाकर देखा तो वह खून से लथपथ था। इसके बाद उन्होंने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मेरी बीवी की विदाई करो, वरना टावर से कूद जाऊंगा

बलिया में युवक की जिद पर हारी पुलिस, 2 महीने पहले शादी की थी

तमसा संकेत, एजेंसी

बलिया। बलिया में रविवार सुबह 7 बजे एक युवक ट्रांसमिशन टॉवर पर चढ़ गया। युवक का आरोप है कि ससुराल वाले उसकी पत्नी की विदाई नहीं कर रहे हैं। उल्टा उसे धमकी दे रहे हैं और पुलिस से डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। युवक के टॉवर पर चढ़ने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने उसे नीचे उतरने के लिए समझाया, लेकिन वह अपनी पत्नी को मौके पर बुलाने और उसके साथ भेजने की जिद पर अड़ा रहा। बाद में पुलिस ने उसकी पत्नी को मौके पर बुलाया। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतारा गया। मामला जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर गड़वार थाना क्षेत्र के हरिपुर गांव का है। पुलिस युवक को अपने साथ थाने ले गई, जबकि युवती को उसके पिता के साथ घर भेज दिया गया। युवक गोंडा जिले का रहने वाला है। उसका कहना है कि चार महीने पहले गड़वार थाना क्षेत्र के सरया गांव की रहने वाली युवती से उसकी इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। दो महीने तक बातचीत के बाद दोनों ने शादी कर ली और फिर अहमदाबाद चले गए।

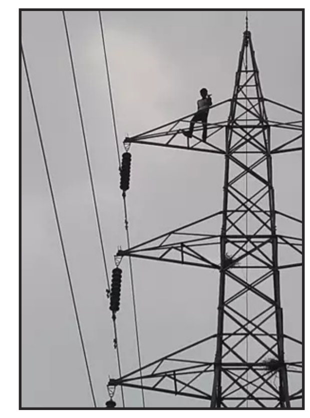

फास्ट न्यूज

मां ने 10 रुपए नहीं दिए, बेटे ने लगाई फांसी

ललितपुर। ललितपुर जिले के ग्राम मसौरा कलां में रविवार दोपहर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजन शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर रहे थे, लेकिन चिकित्सकों ने शव को मोर्चरी में रखवाकर पुलिस को सूचना दी। कोतवाली सदर क्षेत्र के ग्राम मसौरा कलां निवासी 19 वर्षीय सोनू सहरिया पुत्र करन का शव रविवार दोपहर करीब एक बजे उसके घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला।

दलित युवक विपिन के परिवार से मिले सांसद

मेरठ। मेरठ में मुस्लिम युवक तालिब द्वारा मारे गए दलित युवक विपिन के परिवार से मिलने रविवार को सांसद अरुण गोविल पहुंचे। भाजपा सांसद अरुण गोविल ने विपिन के घर पहुंचकर उसके माता, पिता से मुलाकात कर शोक जताया। सांसद ने भरोसा दिलाया कि अपराधियों को सजा जरूर मिलेगी और विपिन के साथ पूरा न्याय होगा। बता दें कि तालिब ने शराब पार्टी के दौरान विपिन की ईंट मारकर हत्या कर दी इसके बाद फरार हो गया था। पुलिस ने फिलहाल तालिब को अरेस्ट कर जेल भेज दिया है। मौके पर पहुंचे हिंदूवादी नेता सचिन सिरोही ने कहा कि ये केस पुलिस–प्रशासन ने गलत खोला है।

सांप के डसने से महिला की मौत

ललितपुर। ललितपुर में सांप के डसने से एक महिला की मौत हो गई। परिजन महिला को उपचार के लिए झांसी ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। दोपहर करीब 1:20 बजे परिजन शव को ललितपुर मेडिकल कॉलेज लाए, जहां चिकित्सकों ने पोस्टमार्टम की सलाह दी, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया और शव घर ले गए। यह घटना रविवार सुबह थाना बानपुर अंतर्गत ग्राम डेगना में हुई।

बंदरों की देखरेख के लिए बनी कमेटी

इलाज से लेकर रहने, खाने-पीने और सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा-वृंदावन में बंदरों के बढ़ते आतंक पर प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए नई कार्ययोजना लागू कर दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में जिला प्रशासन ने बंदर समस्या के स्थायी समाधान के लिए एक विशेष समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता जिलाधिकारी करेंगे, जबकि नगर आयुक्त को सदस्य सचिव बनाया गया है। नई व्यवस्था के तहत बंदरों को पकड़ने, उनका उपचार कराने और सुरक्षित स्थानों पर पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया तय मानकों के अनुसार संचालित की जाएगी। मथुरा-वृंदावन में लंबे समय से बंदरों के बढ़ते उत्पात के कारण स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन बंदरों द्वारा लोगों पर हमला करने, सामान छीनने और दुर्घटनाओं की घटनाएं सामने आती रही हैं। इसी को देखते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रशासन को

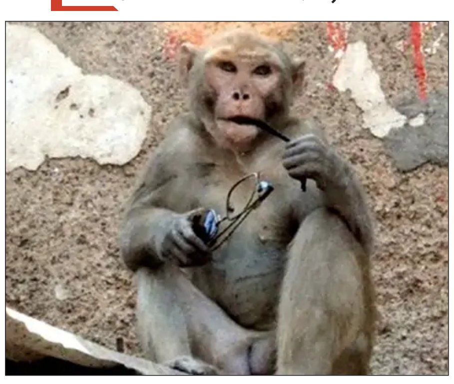

प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद जिला प्रशासन ने डीएम की अध्यक्षता में समिति का गठन कर समस्या के समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया है। नई योजना के तहत जिले के प्रत्येक विकासखंड में पशु चिकित्सकों की विशेष टीम तैनात की जाएगी। इन टीमों का दायित्व घायल, बीमार या कमजोर बंदरों की पहचान कर उनका उपचार करना होगा। यदि किसी बंदर की हालत गंभीर होगी तो उसे रेस्क्यू सेंटर में रखकर इलाज किया जाएगा, ताकि उसके पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद ही उसे प्राकृतिक वातावरण में छोड़ा जा सके। योजना के अनुसार उपचार पूरा होने के बाद बंदरों का सुरक्षित पुनर्वास वन क्षेत्रों में किया जाएगा।

नगर निगम पकड़ेगा, वन विभाग छोड़ेगा

सामाजिक वानिकी प्रभाग के प्रभागीय निदेशक वेंकटा श्रीकर पटेल ने बताया कि बंदरों को पकड़ने का काम नगर निगम की प्रशिक्षित टीमें करेंगी। इसके बाद वन विभाग के सहयोग से उन्हें ऐसे वन क्षेत्रों में छोड़ा जाएगा, जहां भोजन और रहने की पर्याप्त व्यवस्था हो और आबादी पर उनका दबाव कम पड़े। उन्होंने बताया कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत बंदरों को पकड़ने के लिए वन विभाग की अनुमति जरूरी नहीं है, क्योंकि बंदर वन्यजीव की श्रेणी में नहीं आते।

लगाए जाएंगे फलदार पेड़

बंदरों का रुख आबादी की ओर कम हो, इसके लिए उद्यान विभाग आम, जामुन, गूलर, बरगद, शहतूत समेत अन्य फलदार पौधों का रोपण बढ़ाएगा। इससे जंगलों में बंदरों को प्राकृतिक भोजन मिलेगा और वे शहर की ओर कम आएंगे।

प्रभागीय निदेशक ने लोगों से अपील की है कि बंदरों को बिना जरूरत खाना न खिलाएं। यदि बंदरों से जुड़ी कोई समस्या हो तो उसकी सूचना नगर निगम, नगर पालिका या नगर पंचायत को दें।

वहीं किसी घायल बंदर की जानकारी तुरंत पशु चिकित्सा अधिकारी को दें, ताकि समय पर उसका इलाज कराया जा सके।

कौशांबी में अज्ञात वाहन की टक्कर से होमगार्ड की मौत

कड़ा धाम कोतवाली में तैनात था जवान, इलाज के दौरान तोड़ा दम

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में प्रेम विवाह की रंजिश ने एक युवक की जान ले ली। आरोप है कि अपनी बहन को भगाकर शादी करने से नाराज युवक ने डेढ़ साल बाद अपने साथियों के साथ मिलकर बहनोई की गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मृतक की मां की तहरीर पर दो आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।यह सनसनीखेज घटना शनिवार देर रात वजीरगंज थाना क्षेत्र के चिलमपुर गांव में हुई, जहां एक निमंत्रण कार्यक्रम के दौरान आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया।डेढ़ साल पहले प्रेम विवाह बना हत्या की वजहपुलिस के मुताबिक, वजीरगंज थाना क्षेत्र के पुरवा गांव निवासी 30 वर्षीय आजाद सिंह ने करीब डेढ़ वर्ष पहले अपने दोस्त और रिश्ते में चाचा लगने वाले संदीप सिंह की सौतेली बहन पिंकी सिंह के साथ प्रेम विवाह किया था। दोनों घर से भागकर शादी कर चुके थे।इस शादी के बाद गांव में पंचायत बुलाई गई थी, जिसमें आजाद के परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया। परिवार पर सामाजिक दबाव इतना बढ़ गया कि आजाद की मां शीला सिंह ने भी उन्हें अलग रहने के लिए कह दिया। इसके बाद आजाद अपनी पत्नी पिंकी और चार महीने की बेटी अनामिका के साथ नवाबगंज मंडी के पास किराये के मकान में रहने लगे थे।दोस्त के बुलावे पर घर से निकले, फिर नहीं लौटेमृतक की पत्नी पिंकी सिंह ने बताया कि शनिवार शाम करीब सात बजे गांव के रहने वाले सुरेश विश्वकर्मा उनके पति को किसी काम का बहाना बनाकर घर से बुलाकर ले गए थे। करीब दो घंटे बाद उन्हें सूचना मिली कि आजाद की हत्या कर दी गई है।परिजनों का आरोप है कि पूरी वारदात पहले से सोची-समझी साजिश के तहत की गई और आजाद को बहाने से बुलाकर मौत के घाट उतारा गया।शराब पीने के दौरान हुआ विवाद, गले पर चाकू से किया वारपुलिस जांच में सामने आया है।

सुबह 3 घंटे तक सुलगती रही, पूरा सामान राख, फायर विभाग के साथ सीओडी की गाड़ियों ने काबू पाया

टेंट गोदाम में लगी आग

- आगजनी की घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।
- बुझाने के बाद भी काफी देर तक टेंट हाउस गोदाम से धुआं उठता रहा।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में एक टेंट हाउस के गोदाम में भीषण आग लग गई। लाखों का सामान जलकर राख हो गया। आग से आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची सीओडी और फायर विभाग की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग इतनी भीषण थी कि पहले कोई भी पास जाकर बुझाने की हिम्मत नहीं कर सका। एक घंटे तक तेज लपटें उठती रहीं। अगले दो घंटे तक उसे बुझाने में मशक्कत करनी पड़ी। तीन घंटे बाद आग पर

काबू पाया जा सका। घटना रविवार की सुबह 6.30 बजे सदर क्षेत्र की है। सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत डिफेंस कॉलोनी में प्रमोद उपाध्याय का टेंट हाउस का कारोबार है। उनकी फर्म का नाम प्रमोद टेंट हाउस है। रविवार की सुबह गोदाम में आग लग गई। धीरे-धीरे आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम से ऊंची-ऊंची आग की लपटें उठने लगीं। लपटें उठती देखकर आसपास के लोगों को पता चला। पहले तो आसपास के लोगों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। मगर, जब आग ने विकराल रूप ले लिया तो फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी गई। इससे सीओडी की दो गाड़ियां पहले से ही मौके पर पहुंच गईं। मगर, इनसे आग पर काबू नहीं पाया जा सका।

> इस बीच एक-एक कर फायर विभाग की 4 गाड़ियां और मौके पर पहुंचीं। धुएं का गुबार से पूरा क्षेत्र दहल गया। आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

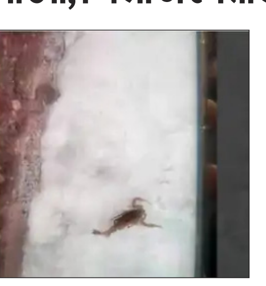

शॉर्ट सर्किट से आग लगी, पूरा सामान राख

बताया जा रहा कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी। आग इतनी भीषण थी कि घंटों तक सुलगती रही। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग को पूरी तरह से बुझाने में जुटे रहे। आग की चपेट में आने से टेंट का पूरा सामान जलकर राख हो गया। लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। सुबह के समय आसपास के लोगों की काफी भीड़ जुट गई। कुछ राहत के काम में हाथ बंटाते भी नजर आए।

ताजमहल में शू-कवर पहनते ही किशोर को बिच्छू ने काटा

डंक लगते ही किशोर दर्द से चीखा, जिला अस्पताल में भर्ती कर इलाज हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

ताजमहल देखने आए तेलंगाना के 13 वर्षीय किशोर को शू-कवर पहनते समय बिच्छू ने डंक मार दिया। डंक लगते ही बच्चा दर्द से चीख उठा। इससे प्रवेश द्वार पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। एएसआई कर्मचारियों और सीआईए-सएफ जवानों ने तुरंत बच्चे को ताजमहल परिसर स्थित डिस्पेंसरी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों के अनुसार, उसकी हालत फिलहाल स्थिर है। घटना शनिवार दोपहर दो बजे की है। परिजनों का आरोप है कि किशोर मोहम्मद मोइनुद्दीन अतीक को जो शू-कवर पहनने के लिए दिया गया था, उसी के अंदर पहले से बिच्छू

छिपा बैठा था। जैसे ही उसने शू-कवर पहनना शुरू किया, बिच्छू ने उसके पैर में डंक मार दिया। दर्द से बच्चे की चीख निकलते ही आसपास मौजूद पर्यटक और सुरक्षाकर्मी मौके पर जुट गए। घटना की सूचना मिलते ही एएसआई कर्मचारी और सीआईएसएफ जवान बच्चे को तुरंत ताज परिसर की डिस्पेंसरी ले गए। वहां डॉ. शालिनी और डॉ. सौरव शुक्ला ने प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद बेहतर इलाज और निगरानी के लिए बच्चे को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेज दिया गया। हालांकि, घटना को लेकर एएसआई का पक्ष अलग है। संरक्षण सहायक कलंदर बिंद ने बताया कि पर्यटकों को जूतों के ऊपर शू-कवर पहनाए जाते हैं। उनके अनुसार, शू-कवर के अंदर बिच्छू होने की बात सही नहीं है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, बच्चा फर्श पर चलते समय अनजाने में बिच्छू पर पैर रख बैठा, जिसके बाद उसने डंक मार दिया। घटना के बाद कुछ देर के लिए प्रवेश क्षेत्र पर हलचल रही। दोनों पक्षों के अलग-अलग दावों के बीच यह साफ नहीं हो सका है कि बिच्छू वास्तव में शू-कवर के अंदर था या फर्श पर। फिलहाल बच्चे की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

राममंदिर चढ़ावा चोरी ...

पुलिस ने पड़ोसियों से सवाल-जवाब किए। चंपत राय के करीबी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर पर ताला लगा मिला। आरोपी अनुकल्प मिश्रा के घर पर भी छापेमारी हुई। खरीदी गई संपत्तियों के दस्तावेज और बैंक अकाउंट डिटेल खंगाले गए। पुलिस को अनुकल्प के घर डायरी और कुछ अहम दस्तावेज मिले हैं। पुलिस का मानना है कि डायरी राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण से संबंधित है। छापेमारी में राजस्व अधिकारियों खासकर लेखपालों को शामिल किया गया। पुलिस ने दोपहर 3 बजे तक करीब 8 घंटे जांच की। इस दौरान राम मंदिर से जुड़ने के बाद आरोपियों के लाइफ स्टाइल में आए बदलाव को लेकर पड़ताल की गई। SIT मामले की जांच कर रही है। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। अयोध्या का राम राज्य ऐसा है कि अपराधियों को कभी माफ नहीं किया जाता। उन्हें सजा दी जाती है। जल्दबाजी करने या राजनीतिक रंग देने की कोई जरूरत नहीं है। राम मंदिर चंदा गबन मामले में आरोपियों को अयोध्या में अपनी पैरवी के लिए वकील मिलने की संभावना कम नजर आ रही है। स्थानीय अधिवक्ताओं ने आरोपियों का केस लड़ने से इनकार कर दिया है। फैजाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका मिश्रा ने रविवार को बताया कि आरोपियों की पैरवी नहीं करने के फैसले पर अंतिम मुहर सोमवार को होने वाली बार एसोसि-एशन की सामान्य सभा की बैठक में लगाई जाएगी। बैठक में इस संबंध में औपचारिक निर्णय लिया जाएगा। राम मंदिर चंदा गबन मामले को लेकर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अगर पूछताछ करनी ही थी तो उन 'चंदा चोरों' से क्यों नहीं की गई, जो पकड़े गए थे। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि पूछताछ में यह सामने आ जाता कि चंदे की रकम का कुछ हिस्सा दिल्ली या नागपुर भेजा गया या फिर विधायकों और सांसदों को खरीदने में इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि इससे पूरे मामले की सच्चाई सामने आ जाती। रिपोर्ट्स के मुताबिक 40 दिनों में 70 बार चोरी की गई। राम मंदिर चंदे में कथित गड़बड़ी के मामले में अखिलेश यादव के आरोपों पर VHP प्रमुख आलोक कुमार ने कहा, कल ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी जी महाराज ने भरोसा दिलाया कि सोना, चांदी और बाकी चीजें पूरी तरह सुरक्षित हैं। तो क्या जो लोग घोटाले का आरोप लगा रहे हैं, उनके दावों का कोई आधार है? ऐसे बयानों से समाज में अशांति और गुस्सा फैलता है और लोगों का भरोसा कमजोर होता है। ऐसी अफवाहें फैलाना BNS की धारा 353 के तहत अपराध है। इसलिए, हम उम्मीद करते हैं कि पुलिस ऐसे गंभीर बयान देने वालों को बुलाएगी। अगर ये बयान बिना किसी आधार या सबूत के दिए गए हैं, तो FIR दर्ज होनी चाहिए और कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, यह कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे VHP या RSS सीधे तौर पर संभाले; इसके बजाय, हमने पुलिस से पूरी जांच करने का आग्रह किया है। हमने UP सरकार से कहा है कि वे इस काम के लिए सीनियर पुलिस अधिकारियों को नियुक्त करें और सुनिश्चित करें कि जांच जल्द पूरी हो। अगर सभी दोषी 4-5 महीनों के भीतर जेल में हों और उन्हें सज़ा मिल जाए तो मैनेजमेंट का जनता पर भरोसा फिर से कायम हो जाएगा। सपा के पूर्व विधायक पवन पांडेय ने अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले साधु-संतों और शंकराचार्यों से आगे आने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आप सभी चढ़ावा डकैती के मामले में फैसला लीजिए, ताकि कोई दोबारा ऐसी हरकत न कर सके। अखिलेश यादव ने कहा कि इटावा में बन रहे केदारेश्वर धाम में शिव मंदिर के निर्माण पूरा होने के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने के लिए अयोध्या जाएंगे। अखिलेश ने ये बात प्रयागराज में एक प्रेस कांफ्रेंस में एक पत्रकार के सवाल के जवाब में कही। अनुकल्प मिश्रा (20) पुत्र रविंद्र मिश्रा उर्फ रवि ईंट गांव (इनायत नगर, अयोध्या) के मूल निवासी हैं। जानकारी के मुताबिक, कौशलपुरी में मानस डेंटल हॉस्पिटल के पास भोजपुरी गायक दिवाकर द्विवेदी का मकान था। जिसे अनुकल्प ने 64 से 65 लाख रुपए में खरीदा। मकान से करीब 300 मीटर दूर बाग में फार्म हाउस बनाया है। यहीं 23 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक श्रीमद्भा-गवत कथा हुई थी।परिवार में दो बहनें हैं। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। छोटी बहन पढ़ाई कर रही है। अनुकल्प के बाबा-दादी ने बताया कि हमारे चार बेटे हैं- बड़ा बेटा रविंद्र है, दो बेटे परदेस में रहते हैं। छोटा बेटा इनायतनगर में मेडिकल स्टोर चलाता है। रविंद्र अयोध्या में प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। हमारे पास काफी पैतृक जमीनें हैं।

घटिया सड़क बनाई ...

आगरा मंडलायुक्त कार्यालय में करीब एक घंटे चली बैठक में आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले लोक निर्माण विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा की। इसके बाद कानून व्यवस्था पर अधिकारियों से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में अवैध खनन पर पूरी सख्ती से रोक लगाई जाए। इसमें शामिल लोगों के खिलाफ तुरंत मुकदमा दर्ज हो और उनके वाहन जब्त किए जाएं। उन्होंने कहा कि ओवरलोड डंपर ग्रामीण सड़कों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे वाहनों को जब्त कर उनसे ही क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत की लागत वसूली जाए। सीएम योगी ने साफ कहा कि सड़क, पुल, सीवर, जल जीवन मिशन और अन्य निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। अगर कहीं घटिया निर्माण मिला तो संबंधित इंजीनियर और ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क खोदकर छोड़ देने वाली एजेंसियों और संस्थानों पर भी मुकदमा दर्ज किया जाए। जरूरत पड़ने पर उन्हें जेल भेजा जाए। सड़क खोदकर छोड़ देने वाले व्यक्तियों, एजेंसियों या संस्थानों के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज किया जाए। आवश्यकता होने पर उन्हें जेल भेजा जाए। जनता को खराब सड़कों और अधूरे कार्यों का खामियाजा नहीं भुगतना पड़ेगा। आगरा मेट्रो परियोजना और आगरा एयरपोर्ट दोनों महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का निर्माण कार्य हर हाल में अक्टूबर तक पूरा किया जाए। निर्माण समय पर पूरा होने के बाद प्रधानमंत्री से उद्घाटन के लिए समय लिया जाएगा। इसमें देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। सड़क, पुल, मेट्रो और एयरपोर्ट जैसी परियोजनाएं प्रदेश की प्रगति का आधार हैं और इन्हें निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करना सभी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। विकास कार्यों में लापरवाही, भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों के लिए प्रदेश सरकार की नीति पूरी तरह शून्य सहनशीलता की है। कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के साथ-साथ विकास कार्यों में तेजी लाकर जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।समीक्षा बैठक में सीएम योगी के साथ मंडल के केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने आगरा मेट्रो और आगरा एयरपोर्ट विस्तार परियोजना को प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों से कहा कि दोनों परियोजनाएं हर हाल में अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएं। इसके बाद उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री से समय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में किसी तरह की देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में दयालबाग-खंदौली यमुना पुल, सीएम ग्रिड, सेतु और सड़क परियोजनाओं की भी समीक्षा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी से जुड़े मामलों में प्रभावी पैरवी की जाए, ताकि विकास कार्यों में कोई बाधा न आए। मुख्यमंत्री ने PWD के प्रमुख सचिव अजय चौहान को निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी विधायकों की ओर से भेजे गए विकास कार्यों के प्रस्तावों पर जल्द निर्णय लिया जाए। स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य तुरंत शुरू कराया जाए।

अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से हराया, रोनाल्डो के पुर्तगाल ने कोलंबिया से ड्रॉ खेला

मेसी लगातार 7 वर्ल्डकप मैच में गोल करने वाले फुटबॉलर

शानदार

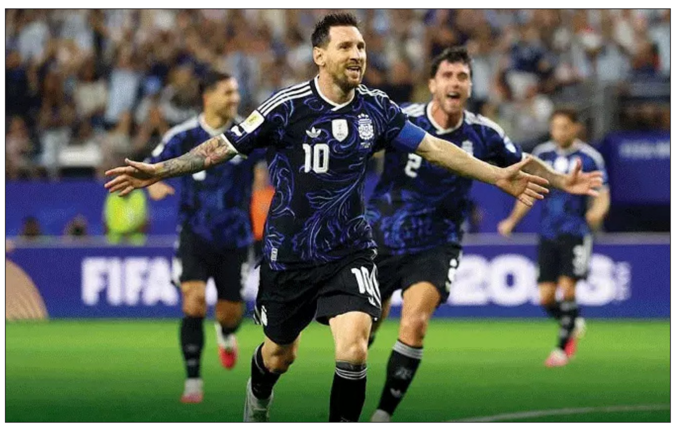

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी लगातार 7 वर्ल्ड कप मैच में गोल करने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बने हैं। वे रविवार को ग्रुप जे के मुकाबले में जॉर्डन के खिलाफ सब्स्टीट्यूट के रूप में उतरे और 80वें मिनट में फ्री किक पर गोल दागा। मेसी को 20 साल बाद अर्जेंटीना की स्टार्टिंग-11 में जगह नहीं मिली है। इससे पहले 30 जून 2006 को होस्ट जर्मनी के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में ऐसा हुआ था। मेसी के इस गोल की मदद से अर्जेंटीना ने डलास स्टेडियम में खेले गए मैच में जॉर्डन को 3-1 से हराया। इस जीत से अर्जेंटीना की टीम ग्रुप जे के टॉप पर रहकर नॉकआउट राउंड में पहुंची। टीम ने अपने लीग स्टेज में अपने तीनों मुकाबले जीते और 9 अंक हासिल किए। अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया का मैच 3-3 की बराबरी पर रहा।

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट में प्रवेश कर लिया। मियामी स्टेडियम में रविवार को पुर्तगाल ने कोलंबिया के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला। ग्रुप-के मैच में कोलंबिया ने इंजरी टाइम पर डेविनसन सांचेज ने हेडर के जरिए गोल दागा, लेकिन उनके ऑफ साइड होने पर रेफरी ने इसे अमान्य कर दिया। टीम ने पहली बार वर्ल्ड कप में गोल रहित ड्रॉ खेला है।

फ्री-किक से भी बनाया खास रिकॉर्ड

यह मेसी के करियर का 72वां और अर्जेंटीना के लिए 12वां फ्री किक गोल था। वर्ल्ड कप में यह उनका दूसरा फ्री-किक गोल रहा। इसके साथ ही वे पेले, रिवेलिनो, तेओफिलो कुबिलास, बर्नार्ड जेंघिनी और डेविड बेकहम के बाद वर्ल्ड कप में दो फ्री-किक गोल करने वाले प्लेयर्स के क्लब में शामिल हो गए। मेसी के अब इस वर्ल्ड कप में छह गोल हो चुके हैं। वे गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। किलियन एमबाप्पे, विनीसियस जूनियर और एरलिंग हालैंड से दो गोल आगे हैं। इतना ही नहीं, मेसी ने वर्ल्ड कप करियर में 19वां गोल दागा है। उन्होंने मेंस वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के रिकॉर्ड को और बेहतर किया।

सेल्सो और मार्टिनेज ने भी गोल दागे

मेसी के अलावा जियोवानी लो सेल्सो ने 19वें मिनट में फ्री-किक पर गोल करके अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। फिर लाउतारो मार्टिनेज ने 31वें मिनट में पेनाल्टी को गोल में हाफ टाइम से पहले बढ़त को दोगुना कर दिया। दोनों खिलाड़ियों का यह विश्व कप में पहला गोल रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में मैदान पर आए मौसा अलतमारी ने 55वें मिनट में गोल कर जॉर्डन की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन अर्जेंटीना ने मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही जॉर्डन की टीम तीनों मुकाबले हारकर बाहर हो गई।

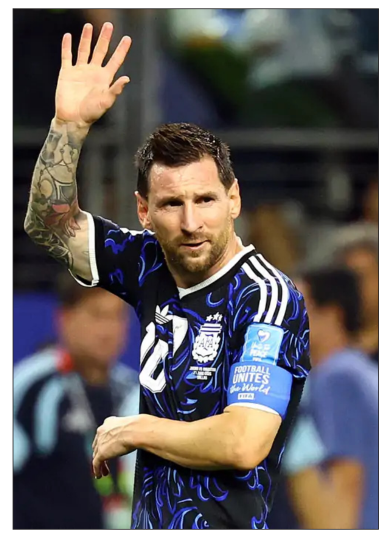

मेसी इस वर्ल्ड कप में 6 गोल कर चुके हैं।

सोजन ने तोड़ा अंजू जॉर्ज का 22 साल पुराना रिकॉर्ड

6.88 मीटर की छलांग लगाकर रचा इतिहास

भुवनेश्वर, एजेंसी

केरल की लंबी कूद खिलाड़ी एंसी सोजन ने भारतीय एथलेटिक्स में इतिहास रच दिया। उन्होंने शनिवार को नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 6.88 मीटर की छलांग लगाकर अंजू बॉबी जॉर्ज का 22 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ दिया।

भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में 25 साल की एंसी ने यह रिकॉर्ड अपने पांचवें प्रयास में बनाया। उन्होंने अंजू बॉबी जॉर्ज के 6.83 मीटर को पीछे छोड़ा। यह उन्होंने 2004 एथेंस ओलिंपिक में बनाया था। यह भारतीय एथलेटिक्स के सबसे पुराने रिकॉर्ड में से एक था।

पिछले 20 साल में 6.85 मीटर से ज्यादा छलांग लगाने वाली एशिया की सिर्फ दूसरी महिला बनीं।

अंजू बॉबी जॉर्ज ने 2004 एथेंस ओलिंपिक में 6.83 मीटर की छलांग लगाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद दो दशकों तक कोई भी भारतीय महिला इस रिकॉर्ड को नहीं तोड़ सकी। अंजू 2003 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट भी थीं। उनका यह रिकॉर्ड भारतीय एथलेटिक्स की पहचान माना जाता था। अब एंसी ने उसे अपने नाम कर लिया है। 6.88 मीटर की छलांग के साथ एंसी एशियाई इतिहास की 8वीं बेस्ट महिला लॉन्ग जम्पर बन गई हैं। इतना ही नहीं, पिछले 20 साल में 6.85 मीटर से ज्यादा छलांग लगाने वाली वह सिर्फ दूसरी एशियाई महिला हैं।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड पर 204 रन की बढ़त बनाई

रचिन रवींद्र फिफ्टी बनाकर नाबाद लौटे, इंग्लैंड 354 रन पर सिमटा

नॉटिंघम, एजेंसी

न्यूजीलैंड ने तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड पर 204 रन की बढ़त हासिल कर ली है। ट्रेंट ब्रिज में शनिवार को स्टंप्स तक कीवियों ने दूसरी पारी में 3 विकेट पर 120 रन बना लिए हैं। रचिन रवींद्र फिफ्टी बनाकर नाबाद हैं।

इससे पहले इंग्लैंड पहली पारी में 354 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड को पहली पारी के आधार पर 84 रन की बढ़त मिली। कीवियों ने पहली पारी में 438 रन बनाए थे। दूसरी पारी में न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने सिर्फ 12 रन पर ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए पहले ही ओवर में टॉम लैथम (4 रन) और पांचवें ओवर में डेवोन कॉन्वे (5 रन) को आउट किया।

इसके बाद रचिन रवींद्र ने पहले हेनरी निकोल्स और फिर डेरिल मिचेल के साथ मिलकर पारी को संभाला। रवींद्र ने लगातार दूसरे टेस्ट में अर्धशतक लगाया। इससे पहले उन्होंने द ओवल टेस्ट में 76 रन बनाए थे। दिन का खेल समाप्त होने तक वह 60 रन और डेरिल मिचेल 26 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। 223/2 के स्कोर से दिन की शुरुआत करने वाली इंग्लिश टीम ने आखिरी 8 विकेट 131 रन बनाने में गंवा दिए। जैकब बेथेल (74 रन) और जो रूट (21 रन) पिछले दिन के स्कोर में इजाफा नहीं कर सके। बेथेल को विल ओरूर्क ने टॉम लैथम के हाथों कैच कराया। जबकि रूट को नाथन स्मिथ ने LBW किया। ऐसे में हैरी ब्रूक (58 रन) ने अर्धशतक लगाकर टीम को 300 पार पहुंचाया।

विमेंस वर्ल्डकप में साउथ अफ्रीका-बांग्लादेश मैच पर भी नजर होगी, लॉर्ड्स में आज दो मुकाबले

भारत को सेमीफाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया से जीतना होगा

लंदन, एजेंसी

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप-ए से दूसरा सेमीफाइनलिस्ट आज तय होगा। लॉर्ड्स में दो मुकाबले होंगे। पहले मैच में साउथ अफ्रीका का सामना बांग्लादेश से होगा। दूसरे मैच में भारत और ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने होंगे।

ऑस्ट्रेलिया लगभग सेमीफाइनल में पहुंच चुका है। दूसरा स्थान भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तय होगा। भारत के 4 मैचों में 6 अंक और +2.268 का नेट रनरेट है। साउथ अफ्रीका के भी 6 अंक हैं, लेकिन उसका नेट रनरेट +0.734 है। बांग्लादेश 4 अंक के साथ दौड़ में है, लेकिन उसका रनरेट (-0.849) काफी खराब है। ऑस्ट्रेलिया 8 पॉइंट्स के साथ टॉप पर है। भारत और ऑस्ट्रेलिया 38 टी-20 में आमने-सामने हुए हैं। इसमें से ऑस्ट्रेलिया ने 27 और भारत ने 10 मैच जीते हैं। एक मैच बेनतीजा रहा है।

अगर ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश जीतते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के 10 अंक हो जाएंगे, जबकि भारत, साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश 6-6 अंकों पर रहेंगे। भारत की बेहतर नेट रनरेट उसे दूसरे स्थान पर बनाए रखेगी। सेमीफाइनल से बाहर होने के लिए भारत को करीब 120 रन से हारना होगा और बांग्लादेश को भी साउथ अफ्रीका पर बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी।

यदि ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका अपने-अपने मैच जीतते हैं तो ऑस्ट्रेलिया 10 अंकों के साथ पहले और साउथ अफ्रीका 8 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा।

यदि भारत और बांग्लादेश दोनों जीतते हैं तो भारत और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। ऑस्ट्रेलिया टॉप पर रहेगा, जब तक भारत उसे बहुत बड़े अंतर से नहीं हरा देता।

भारत जीता तो सेमीफाइनल तय

अगर भारत और साउथ अफ्रीका अपने-अपने मैच जीतते हैं तो तीनों टीमों के 8-8 अंक हो जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया बेहतर नेट रनरेट के कारण टॉप पर रहेगा। भारत का नेट रनरेट भी साउथ अफ्रीका से बेहतर है, इसलिए जीत उसे सेमीफाइनल में पहुंचा देगी।

अगर भारत पहले बल्लेबाजी कर 200 रन बनाता है तो ऑस्ट्रेलिया से टॉप स्थान छीनने के लिए उसे 93 रन से जीतना होगा। 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को करीब 8.1 ओवर में मैच जीतना होगा। साउथ अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया से आगे निकलने के लिए लगभग 210 रन से जीत दर्ज करनी होगी, जो लगभग असंभव है।

मनोरंजन

32 साल बाद एक्ट्रेस ने पहली बार बताई 'बाजीगर' के सीन के पीछे की कहानी

शाहरुख के धक्का देने के बाद क्यों मुस्कुराती रहीं शिल्पा

नई दिल्ली। शाहरुख खान और शिल्पा शेट्टी की फिल्म बाजीगर का एक सीन आज भी लोगों के बीच चर्चा में रहता है। फिल्म में शाहरुख का किरदार शिल्पा के किरदार को छत से धक्का देता है। खास बात यह है कि नीचे गिरते वक्त शिल्पा के चेहरे पर मुस्कान दिखाई देती है। अब इस आइकॉनिक सीन के पीछे की कहानी शिल्पा शेट्टी ने करीब 32 साल बाद पहली बार शेयर की। खास बातचीत में शिल्पा से पूछा गया कि उस सीन में गिरते समय वह क्यों मुस्कुरा रही थीं। इसके जवाब में उन्होंने बताया कि उस समय VFX या CGI (कंप्यूटर-जनरेटेड इमेजरी) जैसी आधुनिक तकनीक नहीं थी। पूरा सीन स्ट्रिंग वर्क के सहारे फिल्माया गया था।

शिल्पा ने कहा कि इस एक सीन को शूट करने के लिए उन्हें 15 से 20 टेक देने पड़े और इसकी शूटिंग में करीब 4 दिन लगे। उन्होंने बताया कि अगर आज उस सीन को ध्यान से देखा जाए तो जिस स्ट्रिंग पर वह लटकी हुई थीं, वह आज भी फ्रेम में दिखाई देती है। आज की तकनीक से उसे आसानी से हटाया जा सकता है, लेकिन उस समय ऐसा संभव नहीं था। शिल्पा ने बाजीगर को अपने दौर से काफी आगे की फिल्म बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में एक अलग ही आत्मा थी।

> फिल्म में शिल्पा शेट्टी और शाहरुख खान पर फिल्माया गया गाना ऐ मेरे हमसफर आज भी बेहद लोकप्रिय है। इसके अलावा किताबें बहुत सी गाना भी काफी पसंद किया गया था।

'बाजीगर' से शिल्पा ने फिल्मों में डेब्यू किया था

'बाजीगर' (1993) शिल्पा शेट्टी की पहली फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध डायरेक्टर जोड़ी अब्बास-मुस्तान ने किया था। फिल्म में शिल्पा शेट्टी के साथ मुख्य भूमिकाओं में शाहरुख खान और काजोल थे। फिल्म की रिलीज (12 नवंबर 1993) के समय शिल्पा की उम्र केवल 18 साल थी। अपनी पहली ही फिल्म में बेहतरीन अभिनय के लिए शिल्पा शेट्टी को फिल्मफेयर 'बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस' के पुरस्कार के लिए नामिनेट किया गया था।

'हर्षाली ने 20 बार सलमान के हाथ पर थूका था'

नई दिल्ली। फिल्म बजरंगी भाईजान के सेट से जुड़ा एक किस्सा एक्टर मनोज बख्शी ने हाल ही में शेयर किया। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान चाइल्ड आर्टिस्ट हर्षाली मल्होत्रा को सीन की जरूरत के चलते कई बार सलमान खान के हाथ पर थूकना पड़ा। मनोज ने बताया कि सलमान ने बिना किसी हिचक के करीब 20 बार अपना हाथ आगे कर दिया।

मनोज बख्शी ने द वी टी शो पॉडकास्ट में बजरंगी भाईजान की शूटिंग का एक अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि उस दौरान उन्हें एहसास हुआ कि सुपरस्टार होने के बावजूद सलमान खान का व्यवहार बेहद सहज और विनम्र है। मनोज के अनुसार, फिल्म के एक सीन में मुन्नी का किरदार निभा रहीं हर्षाली मल्होत्रा को कैमरे की ओर देखकर नॉन-वेज खाते हुए दिखाना था। निर्देशक कबीर खान के निर्देशानुसार उन्हें चबा-चबाकर खाना था, लेकिन कई बार उनके मुंह में बड़ा टुकड़ा आ जाता था, जिसे वह चबा नहीं पाती थीं। ऐसी स्थिति में शूटिंग रोकने के बजाय सलमान खान ने अपना हाथ आगे बढ़ाकर हर्षाली से कहा था कि वह उसमें थूक दें।

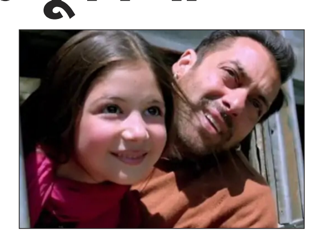

फिल्म 'बजरंगी भाईजान' के एक्टर मनोज बख्शी ने शूटिंग का किस्सा शेयर किया

'मुझे लगा कि शायद मैं मर जाऊंगा'

सैफ अली खान बोले- हमलावर को माफ करना चाहता हूं, लेकिन हमला भूलना आसान नहीं

> दरअसल, 15 जनवरी 2025 को सैफ के बांद्रा स्थित घर में हमलावर ने चोरी के प्रयास के दौरान उन पर चाकू से हमला किया था। घटना के बाद सैफ को तुरंत लीलावती अस्पताल ले जाया गया था।

नई दिल्ली। एक्टर सैफ अली खान ने हाल ही में उन पर हुए चाकू हमले को याद करते हुए कहा कि उस रात उन्हें लगा था कि शायद वह बच नहीं पाएंगे। उन्होंने बताया कि वह हमलावर को माफ करना चाहते हैं, लेकिन जिस तरह उन पर हमला हुआ, उसे भूलना उनके लिए आसान नहीं है। सैफ अली खान ने 'मोजो स्टोरी' को दिए इंटरव्यू में बताया कि हमले के दौरान उनका सफेद कुर्ता-पायजामा खून से लथपथ हो गया था। सैफ ने कहा, एक समय मैं जमीन पर पड़ा था। उस वक्त मुझे लगा कि शायद मैं मर जाऊंगा।

उन्होंने आगे कहा, ₹उस समय शरीर में इतना जोश था कि डर कम लग रहा था। मुझे ऐसा महसूस हुआ कि मैंने अपनी जिंदगी पूरी तरह जी ली है। बस एक बार अपने बच्चों से मिलकर उनका हाथ पकड़ना और उन्हें अलविदा कहना चाहता था। मुझे लगा कि मेरी जिंदगी बहुत अच्छी रही है, लेकिन कुछ देर बाद मैंने खुद से कहा, नहीं, अभी सब खत्म नहीं हुआ है। मुझे अभी और जीना है। पांच घंटे की सर्जरी में उनकी रीढ़ से चाकू का टुकड़ा निकाला गया था। वहीं, वो करीब एक हफ्ते तक अस्पताल में एडमिट थे। इलाज के बाद एक्टर को 21 जनवरी को डिस्चार्ज किया गया। पुलिस ने मामले में बांग्लादेशी नागरिक शरीफुल इस्लाम को गिरफ्तार किया था। शो में सैफ ने यह भी बताया कि अस्पताल से निकलने के बाद उन्होंने व्हीलचेयर का इस्तेमाल इसलिए नहीं किया ताकि फैंस को लगे कि वह ठीक हैं।

सैफ हमलावर को माफ करना चाहते हैं

सैफ ने यह भी कहा कि वो उन पर हमला करने वाले शख्स को माफ भी करना चाहते हैं। जब उनसे पूछा गया, आप उसे माफ क्यों करना चाहते हैं? तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उससे बहुत बड़ी गलती हो गई। मेरा नहीं मानना कि वह लड़ाई करने आया था। शायद मुझे भी उस पर झपटना नहीं चाहिए था। सैफ आगे बोले, मुझे लगता है कि मैं उससे बात करके उसे समझा सकता था। शायद मामला वहीं खत्म हो जाता। अब वह शायद कई साल जेल में रहेगा। मैं उसे माफ करना चाहता हूं। लेकिन जिस तरह उसने मुझे मारने की कोशिश की, उसे भूलना मेरे लिए आसान नहीं है। काश मैं यह सब भूल पाता और उसे माफ कर पाता। सैफ ने अंत में यह भी कहा, मुझे लगता है कि समाज में अमीर और गरीब के बीच की दूरी और असमानता भी ऐसी घटनाओं की एक वजह है। इसलिए मैं उसकी बात कुछ हद तक समझ सकता हूं।

अब तक 1430 मौतें, 3300 लोग घायल, 72 घंटे बाद 68 हजार लोग अब भी लापता

वेनेजुएला में फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप

कोहराम

कराकस, वेनेजुएला, एजेंसी

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में रविवार को फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। यूरो-मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर (EMSC) के मुताबिक भूकंप का केंद्र अरागुआ तट के पास समुद्र में 30 किलोमीटर की गहराई में था।

यह भूकंप 24 जून को आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद शनिवार को 4.9 तीव्रता का भूकंप आया था। वेनेजुएला में अब तक 1430 लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही 3300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के 72 घंटे बाद करीब 68,900 लोग अब भी लापता हैं और मलबे में फंसे लोगों की तलाश की जा रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भूकंप के बाद शुरू के 48 से 72 घंटे ही सबसे जरूरी होते है। इस समय लोगों को बचाने की उम्मीद ज्यादा रहती है। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शनिवार को बताया कि अमेरिका, मेक्सिको, कोलंबिया, अल सल्वाडोर, स्विट्जरलैंड समेत 24 देशों ने राहत और बचाव कार्य में मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। इन देशों ने मानवीय सहायता, एक्सपर्ट बचाव दल और हजारों आपदा राहतकर्मी भेजे हैं। रोड्रिगेज ने बताया कि अब तक 521 टन राहत सामग्री, 86 ट्रेन्ड खोजी डॉग स्क्वॉड और 2,741 से ज्यादा खोज, बचाव व तकनीकी सहायता कर्मी वेनेजुएला पहुंच चुके हैं।

इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन के अनुसार, भूकंप से वेनेजुएला में करीब 67.6 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इनमें लगभग 20 लाख लोग राजधानी कराकस में रहते हैं। बड़ी संख्या में लोगों के घर ढह गए हैं। वे सड़कों या अस्थायी शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

एयरपोर्ट क्षतिग्रस्त होने के कारण राहत पहुंचाने में मुश्किल

इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी की चीफ एलिनोर रेक्स ने बताया कि देश का मुख्य एयरपोर्ट क्षतिग्रस्त होने से बड़े पैमाने पर मदद पहुंचाने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा कि IRC के पास पड़ोसी देश कोलंबिया में राहत सामग्री मौजूद है, लेकिन उसे वेनेजुएला तक पहुंचाने के लिए एयरपोर्ट तक पहुंच जरूरी है, जो एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

वेनेजुएला के लिए भारत ने चलाया 'ऑपरेशन अमिस्ताद'

भारत ने शुक्रवार को वेनेजुएला की मदद के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। 'अमिस्ताद' एक स्पेनिश शब्द है जिसका मतलब 'दोस्ती' होता है। वेनेजुएला की आधिकारिक भाषा स्पेनिश ही है। इस ऑपरेशन का मकसद भूकंप प्रभावित इलाकों में जल्द से जल्द मदद पहुंचाना और घायलों का इलाज कराना है। भारतीय वायुसेना के दो C-17 ग्लोबमास्टर विमानों के जरिए करीब 35 टन राहत सामग्री भेजी गई है। इसमें जरूरी दवाइयां, मेडिकल इक्विपमेंट और राहत सामग्री शामिल हैं, जिनसे कम समय में अस्थायी इलाज सुविधाएं तैयार की जा सकती हैं। भारत ने 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल यूनिट की 41 सदस्यीय मेडिकल टीम भी वेनेजुएला भेजी है। इसमें डॉक्टर, नर्स और मेडिकल एक्सपर्ट शामिल हैं। यह टीम वहां घायलों का इलाज करेगी और जरूरत पड़ने पर अस्थायी अस्पताल भी बनाएगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को तुरंत इलाज मिल सके।

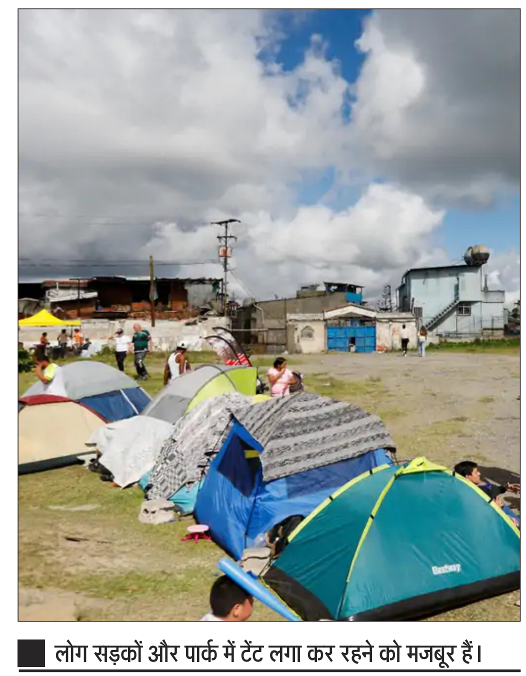

लोग सड़कों और पार्क में टेंट लगा कर रहने को मजबूर हैं।

> कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।

फास्ट न्यूज

रविवार की सुबह जापान में आया 6.1 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो। पूर्वोत्तर जापान में रविवार सुबह-सुबह भूकंप के झटके लगे हैं। यहां रविवार सुबह 6.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। हालांकि, इस भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है । लेकिन मौसम विभाग ने अगले सप्ताह और भी तेज आफ्टरशॉक्स (झटकों) की आशंका जताते हुए निवासियों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है।

कराची में पाक सेना के बेस पर आत्मघाती हमला करने वाले 6 हमलावर ढेर

कराची। पाकिस्तान के कराची शहर में स्थित अर्धसैनिक बल बार्डर रेंजर के मुख्यालय पर आत्मघाती हमले में 6 आतंकवादी ढेर हो गए तो वहीं, चार जवान मारे गए और कई घायल हुए हैं। बताया गया है कि विस्फोटकों के भरा वाहन मुख्यालय भवन से टकराया गया। इसके चलते पहले विस्फोट की आवाज आई और उसके बाद फायरिंग हुई। पता चला है कि काफी देर तक दोनों ओर से फायरिंग होने के बाद स्थिति नियंत्रण में आई। रॉयटर के अनुसार हमले में शामिल 6 चरमपंथी भी मारे गए हैं। जिस जगह पर यह घटना हुई उसके नजदीक ही कई विश्वविद्यालय और मौसम विभाग का कार्यालय भी है।

अमेरिका ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर दागी मिसाइलें

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए शांति समझौते के बावजूद मिडिल ईस्ट में तनाव जारी है। दोनों देश एक दूसरे पर हमले बंद करने का नाम नहीं ले रहे हैं। 24 घंटे के भीतर अमेरिका ने दूसरी बार ईरान पर हमला किया है। जिसका वीडियो भी सेंटकॉम ने सोशल मीडिया पर जारी किया है।

कोटक बैंक के एमडी-सीईओ का पद छोड़ेंगे अशोक वासवानी

दिसंबर 2026 के बाद दोबारा उनकी नियुक्ति नहीं होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

कोटक महिंद्रा बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर (MD) और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) अशोक वासवानी 31 दिसंबर 2026 को अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद पद छोड़ देंगे। बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को इस बात की जानकारी दी। बैंक ने बताया कि वासवानी ने व्यक्तिगत कारणों से दोबारा नियुक्ति नहीं चाहने का फैसला किया है। बैंक के बोर्ड ने उनके इस फैसले का सम्मान करते हुए नए MD और CEO की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। कोटक महिंद्रा बैंक ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि अशोक वासवानी ने बोर्ड को अपने फैसले के बारे में जानकारी दे दी है। वे अपना चालू कार्यकाल पूरा होने के बाद दोबारा इस पद पर नहीं रहना चाहते हैं। बोर्ड ने आज हुई अपनी बैठक में उनके फैसले को स्वीकार कर लिया। नए MD और CEO की नियुक्ति की प्रक्रिया तय समय सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएगी। ब्रिटिश बैंक बार्कलेज के पूर्व एग्जीक्यूटिव अशोक वासवानी को अरबपति बैंकर उदय कोटक के सितंबर 2023 में इस्तीफा देने के बाद इस पद पर नियुक्त किया गया था। इसके बाद वासवानी ने 1 जनवरी 2024 को 3 साल के कार्यकाल के लिए कार्यभार संभाला था, जिसे अक्टूबर 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने मंजूरी दी थी। अशोक वासवानी को ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज में रिटेल, कंज्यूमर, कॉरपोरेट और पेमेंट्स बिजनेस का 35 साल से ज्यादा का अनुभव है।

अमेरिका ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमले किए, ईरान का बहरीन-कुवैत पर अटैक

ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा : ट्रम्प

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा। ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर उन्होंने कहा,

लगता है ईरान कभी नहीं सुधरेगा, लेकिन हम और संयम नहीं बरत पाएंगे। एक समय ऐसा भी आ सकता है जब हमें उस सैन्य अभियान को पूरा करना पड़ेगा, जिसकी शुरुआत हमने बहुत सफल तरीके से की थी। अगर ऐसा हुआ तो ईरान का अस्तित्व ही नहीं बचेगा।

वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक नौसेना ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमला किया। CENTCOM के मुताबिक ये हमले होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरानी ठिकानों पर किए गए। यह कार्रवाई 'एम/टी किकु' नाम के तेल टैंकर पर हुए ईरानी ड्रोन हमले के जवाब में की गई है।

दूसरी ओर, ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया कि उसने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस और बहरीन में अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट बेस पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। अमेरिका ने ईरान पर फिर किए हवाई हमलेः अमेरिका ने शुक्रवार को करीब एक घंटे तक ईरान के मिसाइल, ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स पर हवाई हमले किए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने युद्धविराम तोड़ा था, इसलिए यह कार्रवाई की गई। ईरान का अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमलाः ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने दावा किया कि उसने अमेरिकी हमलों के जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरान-इराक के विदेश मंत्रियों ने मुलाकात की

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इराक की राजधानी बगदाद में इराकी विदेश मंत्री फुआद हुसैन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बैठक के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। अल जजीरा के मुताबिक, दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय हालात और द्विपक्षीय संबंधों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रमों के लिए इराक के धार्मिक स्थलों पर आपसी समन्वय पर भी बातचीत हुई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में फुआद हुसैन ने कहा, "क्षेत्र में युद्ध अभी भी दूसरे रूप में जारी है और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास सैन्य झड़पें हो रही हैं।"

ईरान-इराक के विदेश मंत्रियों ने मुलाकात की

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इराक की राजधानी बगदाद में इराकी विदेश मंत्री फुआद हुसैन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बैठक के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की।

अल जजीरा के मुताबिक, दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय हालात और द्विपक्षीय संबंधों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रमों के लिए इराक के धार्मिक स्थलों पर आपसी समन्वय पर भी बातचीत हुई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में फुआद हुसैन ने कहा, "क्षेत्र में युद्ध अभी भी दूसरे रूप में जारी है और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास सैन्य झड़पें हो रही हैं।"

अब उसी कंपनी से मस्क ट्रिलियनेयर बने, 12 जून 2026 को इलॉन मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बने थे

तीन रॉकेट फेलियर के बाद आखिरी पैसा दांव पर लगाया

वॉशिंगटन, एजेंसी

साल 2008 में जब पूरी दुनिया मंदी की कगार पर खड़ी थी, अमेरिकी शेयर बाजार क्रैश हो चुका था और बड़ी-बड़ी बिलियन डॉलर कंपनियां मिट्टी में मिल रही थीं। तब एक इंसान जिसका नाम इलॉन मस्क था वो अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा जुआ खेल रहा था।

तीन रॉकेट लॉन्च फेल हो चुके थे। दूसरी कंपनी टेस्ला भी डूब रही थी। उसने अपना आखिरी एक-एक पैसा आखिरी रॉकेट लॉन्च पर लगा दिया। अगर ये फेल होता तो वो दिवालिया हो जाते। उनकी पूर्व पत्नी तालुलाह राइली बताती हैं, ₹मस्क खुद से बातें करने लगे थे, हाथ फैलाकर जोर-जोर से चिल्लाते थे। लगता था कि उन्हें दिल का दौरा न पड़ जाएगा।'' लेकिन आज इसी रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स के आईपीओ ने मस्क को दुनिया का पहला ट्रिलियनेयर बना दिया है। यानी उनकी नेटवर्थ 94 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गई। आज 28 जून 2026 को मस्क 55 साल के हो गए हैं। साल 2001 में मस्क रूस गए थे। वे पुरानी रीफर्बिश्ड इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल खरीदना चाहते थे।

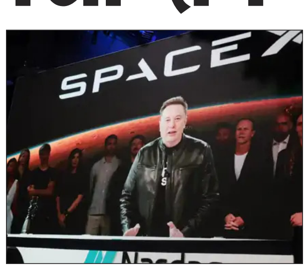

तीन फेलियर के बाद मस्क को कामयाबी मिली

फ्लाइट 1 (24 मार्च, 2006): इसे ओमेलेक आइलैंड लॉन्च साइट से छोड़ा गया था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद रॉकेट की फ्यूल लाइन में आग लग गई और यह क्रैश हो गया।

फ्लाइट 2 (21 मार्च, 2007): यह दूसरी उड़ान थी। शुरुआती दौर में तो रॉकेट ने अच्छा काम किया, लेकिन बाद में यह अनियंत्रित होकर घूमने लगा और ऑर्बिट तक नहीं पहुंच पाया।

फ्लाइट 3 (3 अगस्त, 2008): इस मिशन में रॉकेट का पहला हिस्सा कामयाबी से अलग तो हो गया, लेकिन थोड़ी सी गड़बड़ी हो गई। बचे हुए थ्रस्ट में थोड़ी देरी होने की वजह से पहला और दूसरा हिस्सा आपस में टकरा गए, जिससे रॉकेट तबाह हो गया।

2008 में एक फेल लॉन्च के मलबे को टटोलते हुए इलॉन मस्क। मस्क के तीन रॉकेट लॉन्च लगातार फेल हुए थे, जिसके बाद वह पूरी तरह दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गए थे।

जब मस्क ने अपनी पूरा पैसा रिस्की बिजनेस में दांव पर लगा दिया

इस कहानी की शुरुआत 1990 के दशक से होती है। उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से ड्रॉपआउट कर 'जिप 2' नाम की ऑनलाइन सिटी गाइड शुरू की, जिसे कॉम्पेक ने 37 मिलियन डॉलर में खरीदा। इसके बाद उन्होंने 'x.com' बनाया जो आगे चलकर पेपाल बना।

जब इसे eBay ने 1.5 बिलियन डॉलर में खरीदा, तो मस्क के हिस्से 180 मिलियन डॉलर आए। मस्क ने इस पूरी रकम को तीन बेहद रिस्की बिजनेस में लगा दिया। 100 मिलियन डॉलर स्पेसेक्स में, 70 मिलियन डॉलर टेस्ला में और 10 मिलियन डॉलर सोलर में।

फ्रांस में हीटवेव के दौरान 1000 से ज्यादा लोगों की मौत

तापमान 45 डिग्री के पार, सबसे ज्यादा बुजुर्ग प्रभावित

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस के स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को कहा कि रिकॉर्ड तोड़ने वाली गर्मी की लहर के दौरान उम्मीद से लगभग 1,000 ज्यादा मौतें हुईं। इस हीटवेव ने पिछले कई दिनों से पश्चिमी यूरोप के बड़े हिस्से को झुलसा दिया है।

पब्लिक हेल्थ फ्रांस ने एक बयान में कहा, ₹24 जून के बाद से पिछले महीनों में दर्ज मौतों की तुलना में लगभग 1,000 अतिरिक्त मौतें देखी गई हैं।₹ एजेंसी ने कहा कि गर्मी के लिए रेड अलर्ट वाले इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं और मरने वालों में 85 प्रतिशत लोग 65 साल या उससे ज्यादा उम्र के थे।

एजेंसी के मुताबिक, सबसे ज्यादा बढ़ोतरी घरों में मरने वालों की संख्या में देखी गई। खासकर इले-डी-फ्रांस इलाके में जिसमें पेरिस और उसके आस-पास के इलाके शामिल हैं।

बयान में कहा गया, ₹यह बात हमें याद दिलाती है कि जो लोग अकेले हैं या बहुत ज्यादा अकेलेपन का सामना कर रहे हैं जिनमें बहुत ज्यादा शहरी इलाकों में रहने वाले लोग भी शामिल हैं उनके प्रति एकजुटता दिखाने और मदद के उपाय करने की जरूरत है।₹

एजेंसी ने जोर देकर कहा कि ये आंकड़े शुरुआती हैं और हो सकता है कि ये असल संख्या से कम हों। कई दिनों तक भीषण गर्मी और कई इलाकों में तापमान के 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने के बाद रविवार को पूरे फ्रांस में गर्मी से कुछ राहत मिली।

सजा : ग्वादर विरोध प्रदर्शन में सैनिक की मौत का आरोप, लापता पुरुषों के लिए उनकी लड़ाई का परिणाम

लापता बलूचों की आवाज उठाने वाली 'बलूचिस्तान की शेरनी' को उम्रकैद

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में लापता पुरुषों के लिए लड़ने वाली महिला को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इस महिला का नाम है डॉ. महरंग बलोच। जब वह युवा थीं तो उन्होंने पाकिस्तान में सैकड़ों परिवारों के साथ मिलकर अपने पिता की तलाश शुरू की थी।

सालों बाद ये महिला डॉक्टर से एक एक्टिविस्ट बन गई और इस आंदोलन की सबसे जाने-पहचाने चेहरों में से एक बन गई। इस आंदोलन का मकसद उन लापता पुरुषों की तलाश करना था जो जबरदस्ती गायब हो गए थे। अब इस महरंग को जेल की सजा का सामना करना पड़ रहा है। 33 साल की महरंग के लिए जबरदस्ती गायब हुए पुरुषों का मुद्दा सिर्फ राजनीतिक नहीं है। यह बहुत ही निजी मामला है। उनके पिता अब्दुल गफ्फार लैंगोव एक राजनीतिक कार्यकर्ता थे और 2009 में गायब हो गए। उस समय महरंग 16 साल की थीं। उनके पिता की मौत के मामले ने उनकी जिंदगी पर गरा असर डाला। लगभग तीन साल बाद महरंग के परिवार को एक फोन कॉल आया जिसमें बताया गया कि उनका शव प्रांत के दक्षिण में स्थित लासबेला जिले में मिला है।

बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है और ये देश के कुल क्षेत्रफल का लगभग 44% हिस्सा है। यहां की जमीन गैस, कोयला, तांबा और सोने जैसे संसाधनों से समृद्ध है लेकिन ये इलाका तरक्की से दूर रहा है। सुरक्षा कारणों से प्रांत के कई हिस्सों में जाने पर रोक है। यहां बुनियादी ढांचा खराब है, बिजली कभी-कभी आती है और पानी की कमी है।

महरंग को सुनाई गई उम्रकैद की सजा

पाकिस्तान की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने सोमवार को महरंग और उनके साथी एक्टिविस्ट सिबगतुल्लाह शाह को उम्रकैद की सजा सुनाई है। उन्हें 2024 में ग्वादर शहर में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पैरामिलिट्री सैनिक की मौत के मामले में आतंकवाद, देशद्रोह और हत्या का दोषी ठहराया गया। हालांकि, महरंग ने इन आरोपों से इनकार किया है और उम्मीद है कि वो ऊपरी अदालत में अपील करेंगीं। इस मामले को लेकर महरंग का परिवार डटा हुआ है और उनका कहना है कि इस फैसले को ऊपरी अदालतों में चुनौती दी जाएगी।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जेल में बंद महरंग की बहन नादिया बलोच का कहना है, ₹मुझे उनसे मिलने की हिम्मत नहीं है। क्योंकि उन्हें न्याय न दिलाकर मैं अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रही।

7 साल के बच्चे को रोज खिलाते थे चिप्स और फ्रेंच-फ्राइज

115 किलो वजन होने से हुई मौत अमेरिका में पैरेंट्स पर केस दर्ज

वाशिंगटन, एजेंसी

बच्चों के खान-पान में लापरवाही का खौफनाक मामला अमेरिका से सामने आया है, जहा मिशिगन में कैस्पर ओ'ब्रायन नाम के एक 7 साल के बच्चे अत्यधिक मोटापे के कारण मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने मृतक बच्चे के माता-पिता को गिरफ्तार किया है और दोनों को बच्चे की मौत का जिम्मेदार ठहराया है। दरअसल, डेमियन ओ'ब्रायन और जेसिका ओ'ब्रायन के बच्चे कैस्पर ओ'ब्रायन की महज 7 साल में वजन करीब 115 किलो पहुंच चुका था। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। फॉरेंसिक रिपोर्ट के अनुसार, बच्चे के माता-पिता उसे रोजाना खाने में सिर्फ चिप्स, फ्रेंच फ्राइज, एपल जूस और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स (सोडा) देते थे, जिससे उसकी सेहत पूरी तरह बिगड़ गई और उसका वजन बढ़कर 115 किलो पहुंच गया। अत्यधिक मोटापे के कारण उसकी नवंबर 2025 में उसकी जान चली गई। पुलिस का कहना है कि बच्चे के माता-पिता ने उसके सेहत पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण उसको सही खाना नहीं मिला और न ही वह सही एक्सरसाइज किया। इसके साथ ही आरोप है कि परिवार के पास हेल्थ कवरेज होने के बावजूद बच्चे का कभी मेडिकल ट्रीटमेंट नहीं कराया गया।

- **माता-पिता को बच्चे की मौत के लिए आरोपी बनाया गया**
- **अस्वास्थ्यकर भोजन और चिकित्सा लापरवाही मौत का कारण बनी**

तमसा संकेत

tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533

R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676